राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण रविवार,21 जुन2020 वर्ष–2, अंक –108 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गरीब कल्याण रोजगार अभियान की शुरुआत

## मोदी ने 6 राज्यों में लौटे मजदूरों के लिए योजना शुरू की, कहा- गांवों के कोरोना से लड़ने के तरीके से शहरों को सीख मिली

**नई दिल्ली।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गरीब कल्याण रोजगार अभियान की शुरुआत की। बिहार के खगड़िया जिले के तेलिहार गांव से योजना से शुरुआत हुई। मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत लद्दाख में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ की। उन्होंने कहा कि शहीदों को परिवारों को भरोसा दिलाता हूं कि पूरा देश उनके साथ है। माना जा रहा है कि बिहार से योजना शुरू करने की वजह राज्य में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव हैं। जब कोरोना महामारी का संकट बढ़ना शुरू हुआ तो आप सभी लोग राज्य और केंद्र सरकार की चिंताओं में बने हुए थे। हमने अपने श्रमिक भाई बहनों के लिए स्पेशल ट्रेन भी चलाईं। कोरोना का इतना बड़ा संकट, जिसके कारण दुनिया सहम गई, लेकिन आप डटकर ठहर गए। भारत के गांवों ने कोरोना का जिस तरह मुकाबला किया है उसने शहरों को भी सबक दिया है। कोरोना संक्रमण को गांव के लोगों ने बहुत ही प्रभावी तरीके से रोका है। गांवों की जनसंख्या 80-85 करोड़ हैं, जो पूरे यूरोप, अमेरिका, रूस और ऑस्ट्रेलिया से ज्यादा है। इस जनसंख्या का कोरोना से मुकाबला करना बहुत बड़ी बात है। पंचायत तक हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं, चिकित्सा सुविधाएं, वेलनेस सेंटर स्वच्छता अभियान की अहम भूमिका रही है। मुझे बताया गया है कि परसों से पटना में कोरोना टेस्टिंग की बड़ी आधुनिक टेस्टिंग मशीन शुरू होने वाली है। इस मशीन से हर दिन करीब 1500 टेस्ट संभव होंगे। आज गरीब के कल्याण के लिए उसके रोजगार के लिए बहुत बड़ा अभियान शुरू हुआ है। यह हमारे श्रमिक भाई-बहनों के लिए गांव में रहने वाले नौजवानों को समर्पित हैं। इनमें वे लोग शामिल हैं, जो लॉकडाउन में अपने गांव लौटे हैं। मैंने एक उत्तर प्रदेश की एक खबर देखी। वहां कुछ श्रमिक क्वारैंटाइन में रखे गए थे। इन्हें रंगाई-पुताई और पीओपी के काम में महारत थी। उन्होंने सोचा कि पड़े रहेंगे, इससे कुछ हुनर का इस्तेमाल करें। उन्होंने स्कूल को रंगाई-पुताई करके बढ़िया बना दिया। इसने मेरे मन को प्रेरणा दी। तभी इस योजना का आइडिया आया । इसके तहत अलग-अलग गांव में कहीं गरीबों के लिए पक्के घर भी बनेंगे। कहीं शेड बनाए जाएंगे। कहीं जल-जीवन मिशन को आगे बढ़ाया जाएगा। कहीं जरूर है, सड़कों के निर्माण पर भी उतना ही जोर दिया जाएगा। जहां पंचायत भवन नहीं हैं, वहां पंचायत भवन भी बनाए जाएंगे। साथ-साथ इस अभियान से आधुनिक सुविधाओं से भी गांवों को जोड़ा जाएगा। गांव में सस्ता और तेज इंटरनेट होना जरूरी है, ताकि हमारे बच्चे पढ़ सकें। गांव में

शहरों से ज्यादा इंटरनेट इस्तेमाल हो रहा है। गांव में फाइबर केबल पहुंचे, इससे जुड़े काम भी होंगे। ये काम गांव के ही लोग करेंगे। आप लोग ही करेंगे। इसका मकसद कामगारों को उनकी रुचि और कौशल के तहत रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराना है। 6 राज्यों के 116 जिले। बिहार के 32, उत्तर प्रदेश के 31, मध्य प्रदेश के 24, राजस्थान के 22, ओडिशा के 4 और झारखंड के 3 जिले शामिल हैं। इनमें करीब 88 लाख प्रवासी मजदूर अन्य राज्यों से लौटे हैं। बिहार में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव हैं। यहां जदयू-भाजपा गठबंधन की सरकार है। गरीब कल्याण रोजगार अभियान के तहत साल में 125 दिनों तक रोजगार मुहैया कराने की योजना है। 50 हजार करोड़ रुपए। कामगारों को योग्यता के हिसाब से 25 तरह के काम दिए जाएंगे। इनमें सड़क, ग्रामीण आवास, बागवानी, पौधारोपण, जल संरक्षण और सिंचाई, आंगनबाड़ी, ।

## चीनी वी चैट ने भारत- चीन सीमा विवाद पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान को हटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी सोशल मीडिया एप वी चैट ने देश की सुरक्षा और सीक्रेसी के लिए खतरनाक करार देते हुए लद्दाख के गलवान में 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने को लेकर वर्तमान भारत– चीन सीमा विवाद के बारे में भारतीय दूतावास और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान को हटा दिया है।

वी चैट पर भारत–चीन विवाद को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी, भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच गुरुवार को हुई बातचीत और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की तरफ से जारी बयान को पब्लिश किया गया था।

एक दिन पहले चाइनीज ट्विटर की तरह वेइबो एकाउंट से विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के बयान को डिलीट करने पर भारतीय दूतावास को स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा था। दूतावास को उस वक्त यह स्पष्ट करना पड़ा था कि वह पोस्ट उनकी तरफ से नहीं हटाया गया और चाइनीज भाषा में स्क्रीन शॉट को फिर से पब्लिश किया गया।

एक तरफ जहां वी चैट पर बयान को इंग्लिश में पब्लिश किया गया था तो वहीं भारतीय दूतावात के बेइबो एकाउंट से चीन की भाषा में पूर्वी लद्दाख में सीमा पर हुई हिंसक झड़प को लेकर भारतीय मंत्रालय का बयान जारी किया गया था। सोमवार को भारत और चीन की सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हिंसक झड़प के इस तरह भारत सरकार के पोस्ट को उसके आधिकारिक एकाउंट से चाइनीज सोशल मीडिया ने हटाया है।

## राज्यसभा में बढ़ी एनडीए की ताकत, अब विपक्ष से नहीं मिलेगी चुनौती

**नई दिल्ली।** राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के संपन्न होने के साथ उच्च सदन में विपक्ष के मुकाबले भाजपा नीत राजग की शक्ति और बढ़ गई है तथा भगवा दल के पास राज्यसभा में अब 86 सीटें और कांग्रेस के पास महज 41 सीटें हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के सदस्यों की संख्या अब 245 सदस्यीय सदन में लगभग 100 पहुंच गई है। यदि अन्नाद्रमुक (09), बीजद (09), वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (06) जैसे दलों का समर्थन और कई संबद्ध नामांकित सदस्यों का समर्थन गिना जाता है तो मोदी सरकार के समक्ष वहां किसी गंभीर संख्यात्मक चुनौती का सामना करने की चुनौती नहीं है। चुनाव आयोग ने 61 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव कराने की घोषणा की थी जिनमें से 55 सीटों पर मार्च में चुनाव होना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इसमें देरी हुई। पहले ही 42 सदस्य निर्विरोध चुने गए थे और शुक्रवार को 19 सीटों पर हुए चुनाव में से भाजपा ने आठ सीटों, कांग्रेस और वाईएसआर कांग्रेस ने चार-चार सीटों और तीन अन्य ने जीत दर्ज की। के बल पर कुछ और सीटें जीतीं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भाजपा ने 17, कांग्रेस ने नौ, भाजपा के सहयोगी जद(यू) ने तीन, बीजद और तृणमूल कांग्रेस ने चार-चार, अन्नाद्रमुक और द्रमुक ने तीन-तीन, राकांपा, राजद और टीआरएस ने दो-दो और शेष सीटें अन्य ने जीतीं। इन 61 नये सदस्यों में से 43 पहली बार चुने गये है ।

## होम आइसोलेशन पर रोक के फैसले पर भड़के केजरीवाल, बोले- इससे दिल्ली में बढ़ेगा कोरोना

**नई दिल्ली/डेस्क।**

दिल्ली में होम आइसोलेशन पर रोक लगने के बाद से कोरोना के खिलाफ जंग में एक साथ आई केंद्र और दिल्ली सरकार एक बार फिर आमने सामने आ गई है। दिल्ली सरकार के सभी मंत्री और आम आदमी पार्टी के सभी नेता केंद्र के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि होम आइसोलेशन पर रोक के फैसले से दिल्ली में कोरोना संक्रमण बढ़ेगा। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में पहले से ही स्वास्थ्यकर्मियों, डॉक्टर और नर्सों की कमी है। ये कैसे संभव है कि हजारों मरीजों के लिए एक साथ डॉक्टर और नर्सों का इंतजाम कर दिया जाए। सीएम केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने आइसोलेशन के लिए रेलवे के कोच दे दिए हैं, लेकिन इतनी गर्मी में लोग वहां रहेंगे कैसे? इसके साथ ही सीएम केजरीवाल ने सवाल उठाया है कि जब पूरे देश में आईसीएमआर की गाइडलाइन्स का पालन हो रहा है तो दिल्ली में उसका उल्लंघन कर केंद्र सरकार ने ऐसा फैसला क्यों सुनाया है? उन्होंने कहा कि आईसीएमआर ने पूरे देश में एसिम्पटोमेटिक लोगों के लिए होम आइसोलेशन का प्रवाधान किया है। तो इस प्रकार का भेदभाव दिल्ली के साथ क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर लोगों को अनिवार्य रूप से 5 दिन तक क्वारंटाइन केंद्रों में रहना होगा तो वो टेस्ट करवाने से बचेंगे। अगर ऐसा हुआ तो दिल्ली में संक्रमण बढ़ने के खतरा पैदा हो जाएगा। शुक्रवार को केंद्र सरकार के इस आदेश के बाद दिल्ली सरकार ने भी इस फैसले पर केंद्र से एक बार फिर विचार करने को कहा है। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि दिल्ली सरकार की पूरी मैन पावर पहले से ही लगी हुई है। अब हजारों एसिम्प्टोमेटिक लोगों के लिए क्वारंटाइन केंद्रों के रूप में घर बनाने की आवश्यकता होगी। दिल्ली सरकार ने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में दिल्ली सरकार का होम आइसोलेशन कार्यक्रम सबसे सफल कदमों में से एक रहा है।

## जगन्नाथ यात्रा पर रोक के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई 3 याचिकाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोविड–19 के चलते 23 जून को होने वाली ऐतिहासिक वार्षिक जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के आदेश पर सुधार को लेकर तीन याचिकाएं दाखिल की गई हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने शनिवार इस बात की जानकारी दी। सुप्रीम कोर्ट ने 18 जून को दिए आदेश में कोरोना के चलते रथ यात्रा समेत सभी भीड़–भाड़ वाली गतिविधियों को पूरी तरह से रोक लगाने को कहा था। याचिकाकर्ता के वकील प्रणय कुमार मोहपात्रा ने कहा, तीन श्रद्धालुओं के बिना पर मैंने तीन याचिकाएं दाखिल कर 18 जून के सुप्रीम कोर्ट के आदेश में सुधार की मांग की है। एक याचिका दायर की गई हैं। वकील के मुताबिक, इस याचिका पर सोमवार को कोर्ट में सुनवाई हो सकती है। चीफ जस्टिस एसए बोबडे, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस एएस बोपन्ना की बेंच ने गुरुवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि जनहित और लोगों की सुरक्षा को देखते हुए इस साल रथ यात्रा की इजाजत नहीं दी जा सकती है। चीफ जस्टिस ने कहा, यदि हमने इस साल हमने रथ यात्रा की इजाजत दी तो भगवान जगन्नाथ हमें माफ नहीं करेंगे। महामारी के दौरान इतना बड़ा समागम नहीं हो सकता है।'' बेंच ने ओडिशा सरकार से यह भी कहा कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए राज्य में कहीं भी यात्रा, तीर्थ या इससे जुड़े गतिविधियों की इजाजत ना दें। कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए ओडिशा विकास परिषद नाम के एक एनजीओ ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी और इस साल रथ यात्रा पर रोक लगाने की मांग की थी। पुरी में हर साल रथ यात्रा बड़े धूमधाम से आयोजित होता है। इससे जुड़े कार्यक्रम 10–12 दिनों तक चलते हैं और पूरी दुनिया से आए लाखों श्रद्धालु इसमें शामिल होते हैं।

## केरल में कोरोना संक्रमितों की संख्या 3,000 के पार, 127 नए मामले आए सामने

**तिरुवनंतपुरम।** केरल में शनिवार को कोविड-19 के एक दिन में सर्वाधिक 127 नए मामले आने के साथ ही राज्य में अभी तक कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 3,000 से ज्यादा हो गई है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि राज्य में अभी तक कुल 3,039 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं जिनमें से 1,450 लोगों का फिलहाल इलाज चल रहा है, वहीं 1.39 लाख लोग निगरानी में हैं। उन्होंने बताया कि इलाज के बाद आज 57 लोग को अस्पताल से छुट्टी दी गई है। राज्य में आज लगातार दूसरे दिन 100 से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। मंगलवार को कोविड-19 के 118 नए मामले सामने आए थे।

## मेघालय में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 20 वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला

**शिलांग।** मेघालय सरकार ने प्रशासनिक सेवा बोर्ड की सिफारिश के आधार पर राज्य में तैनात भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 20 वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में शुक्रवार को अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचना के मुताबिक सहायक पुलिस महानिरीक्षक ए सियेम मेघालय बिजली वितरण निगम के मौजूदा मुख्य सुरक्षा अधिकारी डार्विन एम संगमा का स्थान लेंगे जबकि संगमा सियेम का स्थान पर जाएंगे। पूर्वी खासी पवर्तीय जिले के पुलिस अधीक्षक क्लाडिया लिंगवा को प्रथम एमएलपी बटालियन मवीओंग के कमांडेंट की जिम्मेदारी दी गई है। इनके अलावा बिक्रम बी मारक, विवेक सियेम,लाकडोर सियेम, आदित्य गोयंका, जी जी मोमिन, एसपी विवेकांनद सिंह आदि अधिकारियों का भी तबादला किया गया है।

## दिल्ली में एलजी ने 5 दिन का इंस्टीट्यूशनल क्वारनटीन का आदेश लिया वापस- सूत्र

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली में पांच दिन क्वारंटाइन में रहने का फैसला उपराज्यपाल अनिल बैजल ने वापस ले लिया है। सूत्रो ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को उपराज्यपाल अनिल बैजल ने आदेश दिया था कि कोरोना के लक्षण वाले मरीजों को पांच दिन क्वारंटाइन में रहना होगा। लेकिन दिल्ली सरकार के विरोध के बाद उपराज्यपाल ने अपना फैसला वापस ले लिया है। इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने कोविड-19 के मरीजों को पांच दिन तक संस्थागत क्वारंटाइन में रखने के उपराज्यपाल अनिल बैजल के आदेश का शनिवार को विरोध करते हुए सवाल किया कि दिल्ली में अलग नियम क्यों लागू किया जा रहा है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि उपराज्यपाल के आदेश को लेकर डीडीएमए की बैठक में सर्वसम्मति नहीं बन पाई। उपराज्यपाल दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के अध्यक्ष हैं। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट किया कि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में निजी अस्पतालों के बिस्तरों को बुक कराने की दर और घर में क्वारंटाइन को समाप्त करने के उपराज्यपाल के आदेश पर सहमति नहीं बन सकी। दिल्ली में शुक्रवार तक कोरोना वायरस संक्रमण के 53,116 मामले सामने आ चुके हैं, को समाप्त करने के उपराज्यपाल के आदेश पर सहमति नहीं बन सकी। दिल्ली में शुक्रवार तक कोरोना वायरस संक्रमण के 53,116 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से 27,512 लोगों का उपचार चल रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में 10,490 लोग घर में पृथक-वास में रह रहे हैं और अस्पतालों में 10,961 बिस्तरों में से 5,078 बिस्तर अभी खाली हैं।

## डिजिटल सुनवाई के दौरान बिस्तर पर लेटा हुआ था वकील, सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

**नई दिल्ली।**

सुप्रीम कोर्ट में डिजिटल सुनवाई के दौरान एक वकील बिस्तर पर लेटे हुए और टी-शर्ट पहनकर पेश हुए जिस पर न्यायाधीश ने नाराजगी जताते हुए कहा कि सुनवाई की जन प्रकृति को ध्यान में रखते हुए ''अदालत के न्यूनतम शिष्टाचार का पालन किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वीडियो कांफ्रेंस के जरिए मुकदमों में भाग ले रहे वकील ''पेश होने योग्य नजर आने चाहिए और ऐसी तस्वीरें दिखाने से बचना चाहिए जो उपयुक्त नहीं हैं। न्यायमूर्ति एस रविंद्र भट ने वकील की इस संबंध में माफी स्वीकार कर ली। वकील ने माफी मांगते हुए न्यायालय से कहा, ''टी-शर्ट पहनकर बिस्तर पर लेटे हुए अदालत में पेश होना अनुचित है। अदालत ने 15 जून के अपने आदेश में कहा, ''अदालत का यह मानना है कि जब वकील अदालत में वीडियो कांफ्रेंस के जरिए सुनवाई में पेश हो तो उन्हें पेश होने योग्य होना चाहिए और ऐसी तस्वीरें दिखाने से बचना चाहिए जो उपयुक्त नहीं है और जिसे उनके घरों की निजता के दायरे में ही बर्दाश्त किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ''हम सभी कठिन दौर से गुजर रहे हैं और डिजिटल अदालतों द्वारा सुनवाई दिनचर्या का हिस्सा बन गई है। सुनवाई की जन प्रकृति को देखते हुए सभ्य परिधान, वीडियो की पृष्ठभूमि के लिहाज से अदालत के न्यूनतम तौर तरीकों का पालन किया जाना चाहिए। दरअसल यह घटना तब हुई । जब शीर्ष अदालत हरियाणा में रेवाड़ी की एक पारिवारिक अदालत में लंबित एक मामले को बिहार के जहानाबाद में सक्षम अदालत में स्थानांतरित करने के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

इस साल अप्रैल इस साल अप्रैल में भी ऐसी ही घटना सामने आई थी जब वीडियो कांफ्रेंस के जरिए हुई सुनवाई में एक वकील बनियान पहनकर पेश हुआ था जिस पर राजस्थान उच्च न्यायालय ने नाराजगी जताई थी।

## नेपाल ने कहा- विश्व शांति कायम रखने के लिए अपने मतभेदों को सुलझाएं भारत-चीन

**काठमांडू।** लद्दाख में गलवान घाटी में भारत और चीन की हिंसक झड़प को लेकर नेपाल सरकार ने बयान जारी किया है। नेपाल ने कहा कि हमें विश्वास है कि हमारे मित्र पड़ोसी भारत और चीन अच्छे पड़ोसी की भावना से द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और विश्व शांति और स्थिरता के पक्ष में शांतिपूर्ण साधनों के माध्यम से अपने आपसी मतभेदों को हल करेंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी इस बयान में कहा गया कि नेपाल मानता है कि दोनों देशों के बीच हुए मतभेद शांति से सुलझाए जाने चाहिए। नेपाल हमेशा स्थानीय और विश्व शांति के लिए दृढ़ता से खड़ा रहा है। हाल ही में हमारे दो पड़ोसी मित्रों भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुए घटनाक्रमों के संदर्भ में, नेपाल को विश्वास है कि दोनों ही पड़ोसी देश इस मामले को अच्छे पड़ोसियों की तरह शांति से द्विपक्षीय, स्थानीय और विश्व शांति को कायम रखते हुए सुलझा लेंगे। बता दें 5 मई से भारत और चीन के बीच गलवान घाटी और पैंगोग सो इलाके में तनातनी जारी थी जिसे सुलझाने के लिए सैन्य और कूटनीतिक स्तर की कई वार्ताएं हुईं। 15-16 जून की रात भारत और चीन के बीच की ये झड़प हिंसक हो गई और इसमें भारत के 20 जवानों ने अपनी जान कुर्बान कर दी, वहीं 76 से ज्यादा जवान घायल हो गए। चीन को भी इस झड़प में नुकसान हुआ और उसके भी कई सैनिक हताहत हुए। इसके बाद मेजर जनरल स्तर की कई वार्ताएं हो चुकी हैं और भारतीय विदेश मंत्री भी चीन में अपने समकक्ष से टेलीफोन पर बातचीत कर चुके हैं। गौरतलब है कि नेपाल ने हाल ही में नया नक्शा जारी किया है जिसमें कि उसने भारत के तीन इलाकों लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को अपना हिस्सा बताया है।

## सीबीआई अफसर बनकर पॉश इलाकों में करते थे लूटपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे गैंग का पर्दाफाश किया है, जो फर्जी सीबीआई और पुलिस अफसर बनकर बुजुर्गों के साथ धोखाधड़ी और लूटपाट की वारदातों को अंजाम देते थे। दिल्ली पुलिस ने पंजाब के रहने वाले लखविंदर और हरियाणा के रहने वाले सोनू और सन्नी को गिरफ्तार कर ऐसे 20 केस का खुलासा किया है। दरअसल 27 मई को दिल्ली के छतरपुर के रहने वाले अजय कुमार ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दी कि जब वो घर पर नहीं थे तब उनकी बुजुर्ग मां के पास एक शख्स बाइक से आया और परिवार वालों के नाम लिए। युवक ने कहा कि पुलिस उनके घर पर छापा मारने आ रही है उस शख्स ने कहा तुरंत अपने घर का कैश और जूलरी लेकर आओ। जैसे ही बुजुर्ग महिला 5 लाख की जूलरी और 5 हजार कैश बैग में डालकर लाई बाइक पर सवार शख्स बैग लेकर फरार हो गया। दिल्ली पुलिस ने अजय कुमार की शिकायत परएफआईआर दर्ज की और आस पास के सीसीटीवी खंगालना शुरू किया। पुलिस को सीसीटीवी और मुखबिरों से सुराग मिला, जिसके बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 1 फॉर्च्यूनर कार, 2 और लग्जरी कार के अलावा फर्जी नंबर की मोटरसाइकिल, सीबीआई के सब–इंस्पेक्टर का फर्जी आई–कार्ड बरामद किया गया है।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संपादकीय

### सहमति की ओर

किसी भी राष्ट्रीय संकट के समय आपसी मत-साम्यता जरूरी है और मत-साम्यता के लिए निर्णायक दलों का साथ बैठना उससे भी ज्यादा जरूरी। आज के समय में भारत जिन बड़े फैसलों की दहलीज पर खड़ा है, वहां हम जितनी ज्यादा सर्वदलीय बैठक कर सकेंगे, देश के लिए उतना ही अच्छा होगा। संभव है, शुरुआती बैठकों में मनभेद और मतभेद ही ज्यादा नजर आएं, इसलिए ऐसी बैठकों को नियमित अंतराल पर करना पड़ेगा। आज भारत सीमा पर जिस संकट का सामना कर रहा है, उसकी व्यापकता और जटिलता के मद्देनजर हमारा किसी विचार पर पहुंचने के लिए साथ बैठना सबसे जरूरी है। भारत संकट के मौके पर कई बार बिखर जाता है, क्योंकि हममें साथ बैठने की बुनियादी आदत नहीं है। परदे के पीछे नेता भले परस्पर संबंध निभा लेते हों, मगर देश के सामने वे एक-दूसरे के खिलाफ दिखने में ही अपना हित देखते हैं। ध्यान रहे, यह सिर्फ सियासी हित है। इस हित को साधने में कोई बुराई नहीं, राजनीति इसके लिए पूरे अवसर देती है, लेकिन देश की मांग और जरूरतों का एक अलग ही स्तर है। कोई भी देश अपने तात्कालिक नेताओं और दलों से कहीं अधिक बड़ा होता है, लेकिन आज जरूरी है कि इस सच को व्यवहार में लाया जाए और इसके लिए साथ बैठना प्राथमिक आवश्यकता है। ऐसे में, किसी सर्वदलीय बैठक में 20 दलों का शामिल होना अनुकरणीय और स्वागतयोग्य है। सबसे अच्छी बात कि इसमें शारीरिक रूप से पास आने या लंबी यात्राएं करने की जरूरत भी नहीं है। कोरोना के दौर में वर्चुअल या ऑनलाइन बैठकों की मजबूत होती परंपरा ने भी हमें मौका दिया है कि हम परस्पर संवाद बढ़ा सकते हैं। पहले ऐसे संवाद आयोजित करने का खर्चा बहुत होता था, लेकिन अब संचार तकनीक में काफी सुधार आया है और इसकी मदद से राजनीतिक पार्टियां परस्पर संवाद को कई गुणा बढ़ा सकती हैं। यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि संवाद बढ़ाने की सर्वाधिक जिम्मेदारी सत्ता पक्ष पर होती है। सत्ता पक्ष को इन संवादों को पूरे लोकतांत्रिक ढंग से आयोजित करना चाहिए। हर पार्टी और हर सांसद का अपना महत्व है। किसी भी दल में यह असंतोष नहीं रहना चाहिए कि देश पर आए संकट के समय उसकी राय नहीं ली जा रही है। जरूरी नहीं कि किसी विशाल पार्टी की गोद में ही अच्छे विचार पलते हैं, संभव है कि किसी छोटी पार्टी के पास भी कोई ऐसा विचार हो, जिससे बेहतर देश सेवा संभव हो। किसी भी लोकतंत्र में सबका मन और दिमाग टटोलते हुए चलने के अपने फायदे हैं। भारतीय लोकतंत्र में यह काम जितना होना चाहिए था, उतना नहीं हुआ है। भारत और भारतीय समाज आज दुनिया में जिस तरह से आगे बढ़ रहा है, अब समय आ गया है कि हर पार्टी का अपना एक राष्ट्रीय विचार होना चाहिए। संकीर्ण विचारों से स्थानीय राजनीति भले चल सकती हो, लेकिन देश और दुनिया में चलने के लिए व्यापक, सुचिंतित और दृढ़ विचारों की जरूरत है। सत्ता में बैठकर यह ध्यान रहे कि विपक्ष में रहते क्या विचार थे और कोई विपक्ष में बैठ जाए, तो अपने सत्ता के दिनों को न भूले। कम से कम देश के संदर्भ में देशवासियों को राजनीतिक पार्टियों से ज्यादा परिपक्वता की उम्मीद है। सर्वदलीय बैठकों के जरिए अगर ऐसी परिपक्वता की ओर हम बढ़ते हैं, तो इससे बेहतर कुछ नहीं।

## आज के ट्वीट

### शोषण

बॉलीवुड मैं भाई भतीजावाद गैंग का जो कच्चा चिट्ठा दिन प्रतिदिन खुलता जा रहा है।ये सिलसिला रूकना नहीं चाहिए।सिनेमा जगत के पीड़ित कलाकारों से प्रार्थना करती हूं की एक-एक करके इस गैंग की करतूतों को देशवासियों के सामने ले कर आऐं ताकि भविष्य में शोषण रुक सके। -- बबीता फोगाट

# संवेदनशीलता से जीने की कला सिखाये शिक्षा

अविजीत पाठक

पिछले सालों के दौरान हम लोगों ने शिक्षा का स्वरूप कितना कुरूप बना डाला है! इतना कि इसे बच्चे की जाग्रत बुद्धिमत्ता और रट्टा मारने के बीच फर्क तक नहीं पता, न ही ज्ञान के अंत:प्रस्फुटन और वर्गीकरण के बीच, और तो और, न ही जिंदगी के यथार्थ और किताबी जानकारी के बीच के अंतर का भान है। इसलिए यह हैरानी की बात है कि महामारी की इस घड़ी में भी, जब मौत केवल आंकड़ा भर बनकर रह गई और हर शह उल्टी हुई पड़ी है, हमारी मौजूदा शिक्षा व्यवस्था ऑनलाइन अध्यापन से पार नहीं देख पा रही है और न ही परीक्षा लेने जैसे रिवायती तरीकों से! इसकी बला से कि छात्र हों या उनके अभिभावक अथवा आम समाज, जो पहले से ही कोरोना की वजह से अत्यंत मानसिक संत्रास से गुजर रहे हैं। उनके अंदर बड़े स्तर पर डर छाया हुआ है। हमें बताया जा रहा है कि ऑनलाइन कक्षाएं चलनी चाहिए, और उस पर वही पुराने ढर्रे वाले पाठ्यक्रम पर पढ़ाई करनी है और परीक्षाएं भी लेनी हैं। अतएव मैं उन अभिभावकों को दाद देता हूं जो सीबीएससी द्वारा जुलाई में परीक्षा आयोजित करने के निर्णय के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में गए हैं। हम सभी को—अभिभावक, अध्यापक, विद्यार्थी और चिंतातुर नागरिक, जो कोई अभी भी जीवन-सुदृढ़ता और नैतिकता वाली अर्थपूर्ण शिक्षा प्रणाली के हामी हैं, उन्हें एकजुट होना होगा। नई मिसाल बनाने वाला प्रस्ताव रखना होगा। वर्तमान में, जब प्रगति और विकास के तमाम अन्य रिवायती सिद्धांत धराशायी हुए पड़े हैं, अगर हम यह नहीं कर पाए तो खुद से धोखा करने जैसा होगा, यानी हम सोच नहीं पा रहे कि कोरोना के बाद वाली दुनिया में हमारे बच्चे किस तरह बड़े होंगे। सबसे पहले तो यह अहसास करना और खुलकर कहना महत्वपूर्ण है कि परीक्षाएं बतौर एक शक्ति प्रदर्शन आयोजन, छोटे बच्चों को जीवन गुजारने का कारण देने और अनुशासन में बनाए रखने के उद्देश्य से बनाई गई हैं। यह उन्हें आपसी तुलना करने और पैमाइश के पैमाने पर रखने का सबब देती हैं। इसके परिणामस्वरूप अत्यंत-प्रतिस्पर्धात्मकता, डाह और परपीड़न जैसी मानसिकता की जमीन तैयार हो जाती है। साथ ही उक्त भावनाएं पैदा करने वाले को सिस्टम की वजह से अर्थपूर्ण शिक्षा प्राप्ति से जुड़ा गुणवत्तायुक्त अनुभव प्राप्त करने से छात्रों को महरूम कर देती है। मसलन विलियम वर्ड्सवर्थ और रवींद्रनाथ टैगोर की कविताएं पढ़ने से जो आंतरिक आह्लाद उत्पन्न होता है, जैसा आनंद खुले आकाश को निहारने पर आता है या सौरमंडल के नक्षत्रों को ढूंढ़ने में जो मजा मिलता है या वैसी रचनात्मक परिपूर्णता का अहसास जब एक बच्चा हाथ में पकड़ी फुटबाल का आयतन नापता है और ठीक उसी वक्त एक गोले की ज्यामिति भी जान जाता है। बतौर एक 'परीक्षा-वीर' एक बच्चे को जिंदगी व्यर्थ करने वाली रटंत प्रकिया अपनाने, अभ्यास परीक्षाओं में खपने और कोचिंग केंद्रों एवं गाइड पुस्तकों में दी जाने वाली जानकारी रूपी गोली को आनन-फानन में निगलना पड़ता है। इसलिए हमें किसी भ्रम में नहीं रहना चाहिए, सीबीएसई के पाठ्यक्रम

में पढ़ाई जाने वाली अंग्रेजी और किसी की साहित्यिक योग्यता एवं सांस्कृतिक संवेदनशीलता के बीच 99 फीसदी कोई संबंध नहीं होता है, इसी तरह भौतिकी में 100 प्रतिशत लाने वाले का वैज्ञानिक रुझान से वाकई संबंध हो, यह भी जरूरी नहीं। ज्ञान की उन्नति को जरा भी हानि नहीं पहुंचेगी अगर महामारी के वर्तमान समय में स्कूल अथवा विश्वविद्यालय वार्षिक परीक्षाएं लेने के रिवायती उपक्रम को निभाने से मना कर दें। साथ ही नतीजे पिछली परीक्षाओं में विद्यार्थी के प्रदर्शन के आधार पर निकाल दें। इससे हमारे बच्चे भी अत्यंत व्यग्रता से बच सकेंगे और हो सकता है, इस झमेले से बचे वक्त के दौरान वे आत्मचिंतन कर पाएं, जो डर और मृत्यु, विज्ञान और अनिश्चितता, कोरोना बीमारी और इससे उपजने वाले सामाजिक संत्रास को लेकर मनन करने के लिए जरूरी है। बच्चों के लिए शिक्षा विभाग के कर्ताधर्ताओं द्वारा सोपान के तौर पर तय की गई उत्तम ग्रेड सूची की जगह संवेदनशीलता अथवा जीवन जीने की सूक्ष्म कला सीखने-सिखाने की जरूरत ज्यादा है। तथ्य तो यह है कि हमें ऐसी शिक्षा प्रणाली की चाहत हो और इसके लिए लड़ने की जरूरत है, जिसका जोर बच्चों के आंतरिक बोध प्रस्फुटन, शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास, प्रकृति और समाज से जुड़ाव और जीवन की रोजमर्रा की चुनौतियां से निपटने पर हो। जो विद्यार्थी को किताबी ज्ञान और व्यावहारिकता के बीच रिश्ता, किताबी और वास्तविक जिंदगी, विज्ञान और नैतिकता के बीच संबंधों पर आधारित हो। क्यों हर वक्त हम लोग बच्चों की परीक्षाएं लेने के प्रति इतनी शिद्दत से आसक्त हैं? दूसरा, हमें अध्यापक होने और अध्यापन की कला के अर्थ को फिर से परिभाषित करने की जरूरत है। यह अफसोसनाक है कि मौजूदा व्यवस्था ने अध्यापक को शिक्षा रूपी मशीन में एक यंत्रवत मानव या आदेश मानने वाला पुर्जा बना डाला है। एक अध्यापक आधिकारिक पाठ्यक्रम और विद्यार्थियों के बीच महज मध्यस्थ बनकर रह गया है। लगता है उसका काम केवल पाठ्यक्रम को पूरा करवाना, कक्षा में अनुशासन बनाए रखना, परीक्षा की प्रक्रिया लागू करना, ग्रेड अथवा नंबर देना, उच्च अधिकारियों को डाटा मुहैया करवाने का रह गया है। इसलिए हम लगभग भूल चुके हैं कि बतौर अध्यापक उसकी भूमिका बच्चों तक अपनी बात प्रभावशाली ढंग से पहुंचाने वाला वक्ता, मित्र और उपचार करने वाले की है। हमारा काम केवल जीव-विज्ञान और इतिहास के पाठ्यक्रम को पूरा करवाने, विज्ञान या सामाजिक विषयों को पढ़ाने तक ही सीमित न रहे बल्कि उम्मीद की जाती है कि अध्यापक को युवा मस्तिष्क से जुड़ने वाला, एक उत्प्रेरक और हाथ पकड़कर जिंदगी के उतार-चढ़ाव से निपटने हेतु तौर-तरीके सिखाने वाला होना चाहिए। उदाहरण के लिए एक अच्छा अध्यापक अपने छात्र से केवल यह रटने के लिए नहीं कहेगा कि गांधी-इर्विन समझौता किस तारीख को हुआ था, बल्कि वह उन्हें 1946 में नोआखली में गांधी जी के असाधारण नेतृत्व की कहानियों से भी अवगत करवाएगा। या फिर कहें तो मौजूदा महामारी के वक्त जब मौत और जिंदगी अपना मतलब खो चुकी है, ऐसे में एक अध्यापक ऑनलाइन होकर थर्मोडायनेमिक्स के सिद्धांत पढ़ाने तक खुद को सीमित न रखकर, विद्यार्थियों के मन में फिलहाल समाये भय और व्यग्रता को भी सुने, उनका संत्रास दूर करने के लिए टैगोर की गीतांजलि की कविता पढ़े और प्यार एवं प्रार्थना के पवित्र पल भी पैदा करे। जिंदगी को शालीनता और अर्थपूर्ण तरीके से जीना चाहिए और स्कूल-कॉलेज के इम्तिहानों को सीखने के सोपान के तौर पर नहीं लेना चाहिए। इसलिए इस मोड़ पर हम सबको साथ-साथ चलना है और एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की परिकल्पना करनी होगी, जिसमें कोरोना के बाद वाली दुनिया में प्यार, आपसी देख-भाल और आंतरिक शिक्षा का प्रसार हो सके। जीवन में सकारात्मक सोच की भावना को पुष्ट करने को बनी शिक्षा व्यवस्था को शिक्षा क्षेत्र के मठाधीशों और ज्ञान के व्यापारियों के गठजोड़ के चंगुल से छुड़वाना होगा।

लेखक समाजशास्त्री हैं।

## ज्ञान गंगा

जग्गी वासुदेव

कोई भी नर्क को समाप्त कर केवल स्वर्ग को नहीं रख सकता, मगर आप हर समय आनंदमय रह सकते हैं, इसलिये नहीं कि नर्क बनाने की संभावना आप के मन में घूम नहीं रही है, बल्कि अपनी विवेक शक्ति को ज्यादा मजबूत बनाकर। आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नर्क का फैलाव आप के अंदर कभी न हो। इसके प्रति सजग रह कर आप ऐसा कर सकते हैं वरना नर्क के फैलाव की संभावना तो हर समय है ही। ये सजग रहने की योग्यता भी एक सीमा तक ही होती है। लेकिन अगर आप सारी निर्माण सामग्री को हटा दें, जो ऐसा या वैसा करने में सक्षम है, तो फिर ये बिल्कुल वैसा हो जाएगा कि आप किसी अंधेरे कमरे में बैठे हों, जहां न नीले प्रकाश की संभावना है, न ही सफेद की। लेकिन अब आप एक ऐसी दिशा में मुड़ गए हैं जहां प्रकाश का कोई महत्त्व नहीं है। प्रकाश सिर्फ उसके लिए है, जो आंख खोल कर कहीं जाना चाहता है। जिसने आंखें बंद कर ली है और किसी दूसरी ही जगह है, उसके लिए प्रकाश से कोई फर्क नहीं पड़ता। उसके लिए तो प्रकाश अड़चन है।

## विवेक शक्ति

तो असत्य से सत्य की ओर जाने का मतलब किसी भौगोलिक दूरी को पार करना नहीं है। यह तो एक अंडे के बाहरी खोल की तरह है- अभी आप खोल के बाहर हैं। अगर आप अंदर की ओर मुड़ना चाहते हैं तो आप अंडे के साथ टक, टक, टक करने लगते हैं। आप को लगता है कि जब ये टूट जाएगा तो आप अंदर चले जाएंगे, पर नहीं, चूजा बाहर आएगा पूरी बात यही है। आप यहां बैठ कर अंदर जाना चाहते हैं। जब आप इसे तोड़ लेते हैं तो कोई अंदर नहीं जाता, एक पूरी तरह से नई संभावना बाहर आती है। इसीलिए, योग में जो प्रतीक चिह्न है वो सहस्त्रार है-एक हजार पंखुड़ियों वाला पुष्प, जो बाहर आ रहा है, खिल रहा है। आप जब खोल को तोड़ते हैं तो आप ने जिसकी संभावना की कभी कल्पना भी नहीं की थी, वह चीज बाहर आती है। तो अगर आप इस आवरण को तोड़ना चाहते हैं तो आप कभी भी ये काम खुद नहीं कर पाएंगे क्योंकि आप खुद ही आवरण हैं। आप खुद को कैसे तोड़ पाएंगे? यह कर सकने के लिए आप के पास आवश्यक साहस नहीं है। मन भले कहे,'चलो, इसे तोड़ते हैं, एक चूजा बाहर आएगा'। पर नहीं, आप में ये हिम्मत नहीं होगी कि आप इसे खुद तोड़ सकें।

## आज का राशिफल

**मेष** व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

**वृषभ** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**मिथुन** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

**कर्क** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

**सिंह** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

**कन्या** पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

**तुला** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**वृश्चिक** परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

**धनु** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

**मकर** आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

**कुम्भ** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**मीन** व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

# अपने बूते कोरोना से लंबी लड़ाई

आलोक यात्री

कोरोना के कहर से जहां हर कोई खौफजदा है, वहां बहुत से लोग ऐसे हैं जिनका जज्बा पूरी मानव जाति के लिए मिसाल कायम कर रहा है। सैयद उज्मा परवीन हों या विजय अय्यर, इनके जज्बे को आज दुनिया सलाम कर रही है। लखनऊ की उन तंग गलियों में जहां नगर निगम की टीम भी घुसते हुए कतराती है, वहां बुर्कानशीं उज्मा पीठ पर भारी-भरकम मशीन लादे हर रोज सेनेटाइजेशन का काम कर रही है। कुछ कर गुजरने के जज्बे से लबरेज़ उज्मा का कहना है कि सेनेटाइजेशन के काम में उसने जब निगम कर्मियों की लापरवाही और हील-हुज्जत देखी तो इस काम का बीड़ा खुद ही उठा लिया। भोपाल के विजय अय्यर की भी कोरोना योद्धा के रूप में पेश की गई साहस की मिसाल किसी पहचान की मोहताज नहीं है। जिन्होंने साल भर की अपनी कुल कमाई पिछले ढाई महीने से शहर के निषिद्ध क्षेत्रों में सोडियम हाइपोक्लोराइड के छिड़काव में खर्च कर दी। चेहरे पर मास्क, शरीर पर बुर्का और पीठ पर सेनेटाइजर की भारी-भरकम मशीन लादे गली-दर-गली सेनेटाइजेशन करती इस महिला को देखकर लोग कौतूहल में पड़ जाते हैं। बीते 26 अप्रैल से उज्मा सआदतगंज, ठाकुरगंज, चौक, अमीनाबाद और बालागंज जैसे लखनऊ के कई मोहल्लों में अपने बल-बूते सेनेटाइजेशन का काम कर रही है। महज 29 साल की उज्मा सआदतगंज स्थित घर से निकलने से पहले अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को अंजाम देती हैं। उनके लिए हिंदू-मुस्लिम या मंदिर-मस्जिद का कोई भेद नहीं है। दो बच्चों की मां उज्मा का कहना है कि लॉकडाउन के दौरान उन्हें लोगों की तक़लीफों की ज़मीनी हकीकत से रूबरू होने का मौका मिला। भोजन और राशन के तमाम सरकारी और गैर-सरकारी दावों और व्यवस्था के बावजूद बड़ी संख्या में लोग भोजन व राशन के लिए त्रस्त थे। सेनेटाइजेशन के काम के साथ-साथ उज्मा ने लोगों को भोजन और राशन भी मुहैया करवाना शुरू किया। भोजन वितरण और सेनेटाइजेशन के काम में उज्मा अब तक पांच लाख रुपए की धनराशि खर्च कर चुकी हैं। भोपाल शहर के टीला जमालपुरा इलाके के रहने वाले विजय अपने ही घर में पंक्चर की छोटी-सी दुकान चलाते हैं। विजय का सपना अपने बाप-दादा की तरह सेना में जाकर देश सेवा करने का था। लेकिन इकलौती संतान होने की वजह से उनकी मां इस निर्णय के खिलाफ थीं। तैंतीस वर्षीय विजय का कहना है कि लॉकडाउन के चलते 24 मार्च को उनकी पंक्चर की दुकान बंद हो गई। बेहतर इलेक्ट्रिशियन होने के बावजूद विजय को काम मिलना बंद हो गया। नई मोटरसाइकिल के लिए विजय ने 70 हजार रुपए बचा कर रखे थे। लेकिन शहर के कुछ निषिद्ध क्षेत्रों को सेनेटाइजेशन में निगम कर्मियों द्वारा बरती जा रही लापरवाही व भेदभाव ने विजय के भीतर सोये सेवा के जज्बे को जाग्रत कर दिया। मोटरसाइकिल के लिए पाई-पाई कर जोड़ी गई रकम विजय ने स्प्रे मशीन, पीपीई किट, सेनेटाइजेशन का सामान खरीदने में खर्च कर दी। बीते करीब तीन माह से विजय पीठ पर कैमिकल से भरी मशीन लाद कर हर सुबह अपने मिशन पर निकल जाते हैं। शहर के संक्रमण प्रभावित इलाकों में घर-घर जाकर निःशुल्क छिड़काव करने में विजय का पूरा दिन व्यतीत हो जाता है। लॉकडाउन खुलने के बावजूद उज्मा की दिनचर्या में कोई बदलाव नहीं आया है। बल्कि अब उसे लोगों की छोटी-छोटी जरूरतों की पूर्ति का ख्याल भी रखना पड़ रहा है। किसी को चप्पल चाहिए तो किसी को दवाई, कॉपी या किताब। उज्मा के अनुसार बेटे की पढ़ाई के लिए उन्होंने दो लाख रुपए संभाल कर रखे थे। इस काम के लिए वह राशि तो निकाली ही बल्कि अलग से बचाए हुए तीन लाख रुपए भी इस नेक काम में खर्च कर दिए। उनके इस काम में उज्मा के व्यावसायिक पति भी अब मददगार हैं। काम के प्रति उज्मा का समर्पण देखकर कुछ रिश्तेदार भी मदद को आ जुटे हैं। सेनेटाइजेशन के लिए उज्मा ने स्प्रिंग मशीनें खरीदी थीं। बाद में लोगों ने उन्हें दो मशीनें दान में और दीं। लोग पहले उन्हें हैरानी से देखते थे। कुछ लोग मज़ाक उड़ा कर हतोत्साहित करने की कोशिश भी करते रहते थे। लेकिन धीरे-धीरे लोगों की उनके और उनके काम के प्रति धारणा बदली। लोग अब उनके काम की प्रशंसा करते हैं। अब तो समस्या निवारण के लिए उनके पास विभिन्न इलाकों से फोन भी आते हैं। हैरान लोग अक्सर उनसे सवाल करते हैं। लोगों से बस वह इतना ही कहती हैं कि इस संक्रमण काल में हमें महिला-पुरुष नहीं, एक जिम्मेदार नागरिक की हैसियत से काम करना ज्यादा जरूरी है। लॉकडाउन खुलने के बाद विजय ने पंक्चर की दुकान पुनः खोली है, लेकिन इक्का-दुक्का ग्राहक आने की वजह से उनकी दिनचर्या जारी है। पैसे की कमी के सवाल पर विजय का कहना है कि विदेश में रह रहे उसके कुछ समर्थ रिश्तेदारों ने उससे लोगों की यह सेवा जारी रखने के लिए कहा है और आर्थिक सहायता का आश्वासन भी दिया है। लोग अब फोन पर ही उन्हें अपने इलाके की बदहाली बताते हैं, जिसे दूर करने विजय संकटमोचक के रूप में निकल जाते हैं। अपने इस काम से मिले अनुभव को साझा करते हुए विजय कहते हैं कि लोगों को कोरोना वायरस से साहस और आत्मविश्वास के साथ लड़ना चाहिए। भय हमें मारता है।

## टेक महिंद्रा काम करने के लिए भारत की 50 सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में शामिल

**नई दिल्ली।** टेक महिंद्रा को 'ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट ने 2020 में काम करने के लिए भारत की 50 सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में शामिल किया है। इसके अलावा कंपनी को करियर प्रबंधन के लिहाज से पांच सर्वेश्रेष्ठ कंपनियों में शामिल किया गया। टेक महिंद्रा ने एक बयान में बताया कि काम करने के लिए सर्वश्रेष्ठ कंपनियों के सर्वेक्षण में उसे 21वां स्थान मिला। यह भारत के सबसे बड़े कार्यस्थल सर्वेक्षणों में एक है, जिसमें 21 उद्योगों के 21 लाख से अधिक कर्मचारियों की राय ली गई। टेक महिंद्रा के प्रबंधन निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी सी पी गुरनानी ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की और कहा कि ये कंपनी के सवा लाख कर्मचारियों की जीत है।

## बीएमडब्ल्यू ने विक्रम पवाह को बनाया भारत में समूह अध्यक्ष

**नयी दिल्ली।** जर्मनी की कार विनिर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने विक्रम पवाह को भारत में बीएमडब्ल्यू ग्रुप का अध्यक्ष बनाया है। कंपनी की विज्ञप्ति के अनुसार वह एक अगस्त से यह दायित्व संभालेंगे और इस पद पर अंतरिम रूप से काम कर रहे समूह के मुख्य वित्त अधिकारी अरलिंडो एेइक्सेइरा की जगह लेंगे। बीएमडब्ल्यू इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक रुद्रतेज सिंह के अप्रैल में असामयिक निधन के बाद अरलिंडो एेइक्सेइरा को यह जिम्मेदारी दी गयी थी। वह कंपनी की आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का कारोबार देखने वाली इकाई के मुख्य कार्यपालक का अपना इस समय का काम भी देखते रहेंगे। पवाह 2017 में बीएमडब्ल्यू इंडिया के अध्यक्ष के रूप में कंपनी में आए थे। अगले साल उन्हें आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की जिम्मेदारी दी गयी। बीएमडब्ल्यू ग्रुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेंड्रिक वान कुएनहेम ने कहा कि विक्रम पवाह भारत और आस्ट्रेलिया दोनों ही जगह महंगी कारों के भीषण प्रतिस्पर्धा वाले बाजारों में मजबूती के साथ मोर्चा संभाल कर अपनी क्षमताओं का परिचय दे चुके है। उन्होंने कहा कि भारत बीएमडब्ल्यू के लिए प्राथमिकताओं में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यहां लक्जरी कारों के बार की वृद्धि और विकास की अच्छी संभावनाएं हैं।

## 'एजीआर बकाया- वोडाफोन, इंफ्राटेल-इंडस विलय से मिलने वाली राशि से वोडाफोन-आइडिया को मिल सकती है मदद

**नई दिल्ली।** विश्लेषकों का कहना है कि भारती इंफ्राटेल और इंडस्ट टावर्स के प्रस्तावित विलय और वोडाफोन पीएलसी से अतिरिक्त भुगतान मिलने से संकट से जूझ रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया को समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) के बकाए का धीरे धीरे बाद में भुगतान की अनुमति पाने के लिये शुरुआती आंशिक जमा कराने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसके लिए शीर्ष अदालत की मंजूरी आवश्यक होगी। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को एजीआर मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया सहित निजी दूरसंचार कंपनियों को उचित भुगतान योजना के साथ सामने आना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा था कि इन कंपनियों को अभी कुछ भुगतान करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि वे बकाया भुगतान करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने शक्रवार को एक नोट में कहा, भारती एयरटेल और टाटा टेली ने दूरसंचार विभाग (डीओटी) की मांग का क्रमश :1 प्रतिशत और 25 प्रतिशत जमा किया है, वहीं वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने केवल 12 प्रतिशत जमा किया है। उसने कहा कि वोडाफोन आइड्या, वोडाफोन पीएलसी की 67 अरब रुपए (यानी 6,700 करोड़ रुपए) की अशोधित क्षतिपूर्ति से धन जुटा सकता है। इसके अलावा आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने कहा कि उसे वोडाफोन आइडिया से 1,000-2,000 करोड़ रुपए जमा करने की उम्मीद है।

# जियो प्लेटफॉर्म पर जमकर बरसा पैसा, मुकेश अंबानी दुनिया के टॉप 10 अमीरों में शामिल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

जियो प्लेटफॉर्म्स में आए निवेश और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर की कीमत रिकॉर्ड शिखर पर पहुंचने से मुकेश अंबानी विश्व के दस सबसे धनाढ्य लोगों की सूची में शामिल हो गए हैं। फोर्ब्स की रियल टाइम अरबपतियों की सूची में मुकेश अंबानी 9वें स्थान पर काबिज हैं। रियल टाइम अरबपतियों की सूची उनकी दिन प्रतिदिन की संपत्ति के आंकलन के आधार पर जारी की जाती है। एशिया के सबसे धनाढ्य अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर की शुक्रवार को रिकॉर्ज कीमत और जियो प्लेटफॉर्म्स में 115693.93 करोड़ के निवेश से उनकी कुल संपत्ति बढ़कर साढ़े चौंसठ अरब डॉलर के बराबर हो गई ।

जिससे वह दुनिया के दस सबसे अमीर लोगों के क्लब में भी शामिल हो गए हैं। पहले 10 में अमेरिकी अरबपतियों का बोलबाला है। अमेरीका के सात अरबपति पहले 10 में शामिल हैं। चीन का एक भी अरबपति पहले 10 में नहीं है। चीन के मा हुआतेंग 19वें स्थान पर हैं। अंबानी ने कल ही रिलायंस इंडस्ट्रीज को लक्ष्य से नौ महीने पहले पूरी तरह से कर्जमुक्त होने का ऐलान किया था।

रिलायंस को तय समय से पहले कर्जमुक्त करने में फेसबुक समेत दस निवेशकों के निवेश का मुख्य योगदान है। उनकी रिलायंस इंडस्ट्रीज में 42 फीसदी हिस्सेदारी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर की शुक्रवार को कीमत 107.30 रुपए अर्थात 6.48 प्रतिशत बढ़कर 1763.20 रुपए हो गई। इस वर्ष तेईस मार्च को कंपनी के शेयर की कीमत 867.20 रुपए थी और मात्र 59 कारोबारी दिवसों में दुगुनी से अधिक हो गई। रिलायंस 11 लाख करोड रुपए बाजार पूंजीकरण वाली पहली कंपनी भी बन गई।

अंबानी ने 12 अगस्त 2019 को आरआईएल को मार्च 2021 तक ऋणमुक्त करने का लक्ष्य तय किया था और इस वर्ष 31 मार्च तक समूह पर एक लाख 61 हजार 35 करोड रुपए का शुद्ध ऋण था।

## एपल ने अपने कुछ स्टोरों को फिर बंद किया, अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ी

**वाशिंगटन।** कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी के कारण एपल ने शुक्रवार को अमेरिका के चार राज्यों में अपने स्टोरों को बंद करने का फैसला किया। दूसरे अमेरिकी रिटेलरों की तरह एपल ने भी मार्च में अमेरिका स्थित अपने सभी स्टोरों को बंद कर दिया था। कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि वह 11 स्टोरों को बंद कर रही है। इनमें से एरिजोना में सात, फ्लोरिडा में दो, उत्तरी कैरोलिना में दो और दक्षिण कैरोलिना में एक स्टोर है। इन्हें कुछ सप्ताह पहले ही खोला गया था। इस कदम से यह चिंता बढ़ गई है कि महामारी का असर अर्थव्यवस्था पर अनुमान से ज्यादा लंबा रह सकता है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि दूसरे खुदरा विक्रेता भी ऐसा ही फैसला लेंगे या नहीं। हालांकि उम्मीद जताई जा रही है कि यदि स्थानीय अधिकारियों ने मजबूर नहीं किया, तो ज्यादातर स्टोर खुले रहेंगे। एपी पाण्डेय अजय अजय 2006 1423 वाशिंगटन

## पीरामल फार्मा अमेरिका में जीएंडडब्ल्यू लैब की दवा विनिर्माण इकाई का अधिग्रहण करेगी

**नई दिल्ली।** पीरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के फार्मा समाधान कारोबार ने शनिवार को कहा कि उसने जीएंडडब्ल्यू लैबोरेटरीज की अमेरिका स्थित दवा विनिर्माण इकाई का अधिग्रहण करने के लिए उसके साथ एक समझौता किया है। इस सौदे की कीमत 1.75 करोड़ डॉलर (130 करोड़ रुपए से अधिक) है। पीरामल फार्मा सॉल्यूशंस (पीपीएस) ने कहा, ''समझौते की शर्तों के अनुसार, पीरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड अपनी एक सहयोगी के जरिए इस इकाई में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी, जो संयंत्र का परिचालन करती है और संबंधित रियल एस्टेट की मालिक है। इस अधिग्रहण से पीरामल फार्मा सॉल्यूशंस को उत्तरी अमेरिका में ठोस खुराक की पेशकश करने की क्षमता हासिल होगी। फार्मा सॉल्यूशंस को उत्तरी अमेरिका में ठोस खुराक की पेशकश करने की क्षमता हासिल होगी। इस संयंत्र से तरल, क्रीम और मलहम उत्पाद भी बनाए जा सकते हैं। इसे अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासन और यूरोपीय दवा एजेंसी से प्रमाणपत्र मिल चुके हैं।

## प्रधानमंत्री ने बिहार से शुरू किया 50,000 करोड़ रुपये के गरीब कल्याण रोजगार अभियान

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दूसरे राज्यों से लौट कर आए प्रवासी मजदूरों को उनके घर के आसपास ही रोजगार देने के लिये 50,000 करोड़ रुपये की लागत से गरीब कल्याण रोजगार अभियान की शुरूआत की। बिहार के खगड़िया जिले के बेलदौर प्रखंड के तेलिहार गांव से शुरू की गयी इस योजना का मकसद वापस आए प्रवासी श्रमिकों और गांव के लोगों को सशक्त बनाना, स्थानीय स्तर पर विकास को गति देना और आजीविका के अवसर प्रदान करना है। मोदी ने वीडियो कांफ्रेन्सिंग के जरिये योजना की शुरूआत करते हुए कहा कि यह छह राज्यों...बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और ओड़िशा ... के 116 जिलों में लागू होगी और इससे प्रवासी मजदूरों को उनके घर के आसपास ही रोजगार मिलेगा। यह योजना ऐसे समय शुरू की गयी है जब कोरोना वायरस महामारी और 'लॉकडाउन' के कारण लाखों की संख्या में प्रवासी मजदूरों को कामकाज से हाथा धोना पड़ा और वे अपने गांवों को लौटने को मजबूर हुए हैं। प्रधानमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए उद्घाटन कार्यक्रम में कहा, ''इस योजना पर कुल 50,000 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इस योजना के जरिये ग्राम पंचायत भवन और आंगनवाड़ी केंद्र, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे और जल संरक्षण जैसे विभिन्न प्रकार के 25 कार्यों का क्रियान्वयन होगा, देश के ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा।'' मोदी ने कहा कि उन्हें इस योजना की प्रेरणा उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले की एक घटना से मिली। उन्होंने कहा, ''वहां एक सरकारी स्कूल को क्वारन्टाइन सेंटर बनाया गया था। शहर से वापस आये श्रमिकों को वहां रखा था। इस सेंटर में हैदराबाद से आए कई श्रमिकों को रखा गया था। ये श्रमिक रंगाई-पुताई और पीओपी के काम में एक्सपर्ट थे। ये अपने गांव के लिए कुछ करना चाहते थे।'' प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि उन्होंने अपने हुनर की पेशकश की और सरकारी स्कूल में रहते हुए, इन श्रमिकों ने अपने हुनर से स्कूल का ही कायाकल्प कर दिया। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण रोजगार योजना उन लोगों के लिए है, जो अपनी मेहनत और हुनर से अपने गांव के विकास के लिए कुछ करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''यह हमारा प्रयास है कि श्रमिकों को उनके घर के पास ही काम मिले, अबतक आप शहरों का विकास कर रहे थे, अब आप अपने गांवों की मदद करेंगे।'' मोदी ने कहा कि इस योजना से श्रमिकों के सम्मान की रक्षा होगी और गांवों के विकास को गति मिलेगी। यह अभियान 12 विभिन्न मंत्रालयों/विभागों- ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, खान, पेयजल और स्वच्छता, पर्यावरण, रेलवे, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, नई और नवीकरणीय ऊर्जा, सीमा सड़क, दूरसंचार ।

## सोयाबीन, सीपीओ छोड़कर बाकी तेल तिलहन कीमतों में नरमी

**नयी दिल्ली।** बाजार में सस्ते तेलों का आयात बढ़ने के बीच दिल्ली तेल तिलहन बाजार में शनिवार को सोयाबीन, सीपीओ और पामोलीन तेल को छोड़कर बाकी लगभग सभी तेलों की कीमतों में मामूली गिरावट आयी। बाजार सूत्रों का कहना है कि विदेशी तेलों में सबसे सस्ता और हल्का तेल सोयाबीन डीगम तेल है। सरसों में ब्लेंडिंग के लिए इस तेल की स्थानीय मांग बढ़ी है। पामोलीन की कमी होने की वजह से भी सोयाबीन डीगम की मांग बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वायदा कारोबार में सरसों के भाव कमजोर हैं, जिससे निवेशक इसमें बिकवाली कर रहे हैं। घरेलू मांग होने के कारण चावल छिलका तेल भी खरीदारों को महंगा बैठ रहा है। सूत्रों ने कहा कि ऐसी स्थिति में सरकार को देशी तेल तिलहन उत्पादक किसानों के हितों की रक्षा के लिए सोयाबीन डीगम और सीपीओ पर आयात शुल्क में वृद्धि करने के बारे में सोचना होगा। मलेशिया ने भी अपने यहां तेलों पर निर्यात शुल्क को हटा लिया है, जिससे सस्ते तेलों के आयात से स्थानीय बाजार पटने की संभावना है। इस स्थिति के मद्देनजर भी भारत को आयात शुल्क भारत को आयात शुल्क में वृद्धि कर देनी चाहिये, ताकि देशी तेल तिलहन उत्पादकों के हितों की रक्षा हो सके। शनिवार को बंद भाव इस प्रकार रहे- (भाव- रुपये प्रति क्विंटल) सरसों तिलहन - 4,680- 4,705 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये।

# आपात ऋण सुविधा के तहत सरकारी बैंकों ने एमएसएमई को वितरित किए 21,029 करोड़ रुपए के कर्ज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने आपातकालीन ऋण सुविधा गारंटी योजना के तहत 18 जून तक एमएसएमई को 21,029 करोड़ रुपए के कर्ज वितरित किए हैं। एक जून से शुरू शत प्रतिशत गारंटी वाली इस योजना के तहत सरकारी बैंकों ने अब तक 40,416 करोड़ रुपए के कर्ज की मंजूरी दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए पिछले महीने 20 लाख करोड़ रुपए के आत्मनिर्भर भारत पैकेज की घोषणा की थी। इस पैकेज का सबसे बड़ा हिस्सा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) के लिए घोषित तीन लाख करोड़ रुपए की आपातकालीन ऋण सुविधा गारंटी योजना है। सीतारमण ने एक ट्वीट में कहा, 18 जून 2020 तक सरकारी बैंकों ने 100 प्रतिशत आपातकालीन ऋण सुविधा गारंटी योजना के तहत 40,416 करोड़ रुपए के कर्ज को मंजूरी दी है। इनमें से 21,028.55 करोड़ रुपए के कर्ज का वितरण किया गया है।÷ गुजरात की एमएसएमई इकाइयों को इस दौरान सर्वाधिक 4,156 करोड़ रुपए के ऋण की मंजूरी मिली है। इन्हें 1,657 करोड़ रुपए के कर्ज बांटे गए हैं। इसके बाद 4,009.46 करोड़ रुपए के आवंटन और 1,735 करोड़ रुपए के वितरण के साथ महाराष्ट्र का स्थान है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) ने इस दौरान 15,950.49 करोड़ रुपए के कर्ज मंजूर किए हैं, जबकि लगभग 10,667.29 करोड़ रुपए के कर्ज बांटे हैं। इसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने 4,986.61 करोड़ रुपए के कर्ज का आवंटन और 1,527.32 करोड़ रुपए का वितरण किया है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने 4,270.74 रुपए के कर्ज की मंजूरी दी है, और 1,366.57 करोड़ रुपए के कर्ज का वितरण किया है। केनरा बैंक ने इस दौरान 3,982.60 करोड़ रुपए के कर्ज को मंजूर किया है और 1,954.44 करोड़ रुपए के कर्ज का वितरण किया है। मंत्रिमंडल ने एमएसएमई क्षेत्र के लिये आपातकालीन ऋण सुविधा गारंटी योजना के माध्यम से 9.25 प्रतिशत की रियायती दर पर तीन लाख करोड़ रुपए तक के अतिरिक्त वित्त पोषण को 21 मई



को मंजूरी दी थी।

योजना के तहत, पात्र एमएसएमई और इच्छुक मुद्रा कर्जदारों को तीन लाख करोड़ रुपए तक के अतिरिक्त वित्त पोषण के लिए नेशनल ऋण गारंटी न्यासी कंपनी के द्वारा 100 प्रतिशत गारंटी कवरेज प्रदान की जाएगी। इसके लिए सरकार के द्वारा मौजूदा वित्त वर्ष और अगले तीन वित्त वर्ष के दौरान 41,600 करोड़ रुपए मुहैया कराए जाएंगे।

## जॉनसन एंड जॉनसन का बड़ा फैसला, अब नहीं बनाएगी गोरा करने वाली क्रीम




**लंदन (एजेंसी)।**

अमेरिका में पुलिस हिरासत में अश्वेत जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद ब्लैक लाइफ मैटर आंदोलन चलाया गया जो इस वक्त पूरे विश्व में चरम पर है। इस आंदोलन की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसके चलते बहुत सारी कंपनियों को अपने कैंपेन और कंपनी की नीतियों पर दोबारा विचार करना पड़ा, ताकि वो अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय के प्रति नैतिक रूप से सही हो सकें। इसी कड़ी में जॉनसन एंड जॉनसन ने भी चौंकाने वाला फैसला लिया है। जॉनसन एंड जॉनसन ने स्किन व्हाइटनिंग क्रीम यानी गोरा बनाने वाली क्रीम नहीं बनाने का फैसला किया। कंपनी ने इस तरह की क्रीम के उत्पादन और बिक्री पर रोक लगा दी है। जॉनसन एंड जॉनसन का कहना है कि उसके यह प्रोडक्ट एशिया और मध्य पूर्व में बहुत लोकप्रिय हैं। भारत में, जॉनसन एंड जॉनसन की रेंज क्लीन एंड क्लियर फेयरनेस के उत्पाद बहुत लोकप्रिय हैं। इस महीने के शुरुआत में कहा गया था कि कंपनी अपनी फाइन फेयरनेस रेंज को एशिया और मध्य पूर्व के बाजार से हटा लेगी। कंपनी अपने उत्पादों को लेकर काफी समय से आलोचनाएं झेल रही थी। कंपनी पर अपने उत्पादों के जरिए नस्लीय असमानता को बढ़ावा देने के आरोप लगाए जा रहे थे। जॉनसन एंड जॉनसन के प्रवक्ता का कहना है।

पिछले कुछ हफ्तों से हो रही बातचीत से ये समझ में आया कि काले धब्बों को कम करने वाले हमारे उत्पादों के नाम और दावों को गोरापन और गोरा रंग आपकी अपनी अनोखी त्वचा के रंग से बेहतर है के रूप में समझा गया। यह हमारा उद्देश्य कभी नहीं था- स्वस्थ त्वचा ही सुन्दर त्वचा होती है।

## क्रेडाई ने डेवलपरों से कहा- चीनी उत्पादों पर निर्भर न रहें रियल्टी कंपनियां, भारत निर्मित वस्तुओं को दें बढ़ावा



**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

रियल्टी कंपनियों के संगठन क्रेडाई ने अपने 20 हजार डेवलपर सदस्यों से शुक्रवार को कहा कि वे चीन में निर्मित उत्पादों पर निर्भर नहीं रहें और भारत निर्मित वस्तुओं को बढ़ावा दें। क्रडाई ने यह आह्वान ऐसे समय किया है जब भारत और चीन के बीच सीमा विवाद नए शिखर पर पहुंच गया है। सोमवार रात को गलवान घाटी में चीन के सैनिकों के साथ झड़प में भारतीय सेना के एक कर्नल सहित 20 जवान मारे गए। इसके बाद देश भर में चीन विरोधी भावनाएं उफान पर हैं और विभिन्न क्षेत्रों में चीन के सामानों का बहिष्कार करने की मुहिम उठ रही हैं। क्रेडाई ने एक बयान में कहा, राष्ट्र के साथ एकजुटता में और गलवान घाटी के शहीदों को श्रद्धांजलि व सम्मान देते हुए क्रेडाई ने अपने सदस्यों से चीन में निर्मित वस्तुओं पर निर्भर नहीं रहने तथा स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया है। क्रेडाई ने उन सभी संबद्ध उद्योगों से यह आग्रह किया है, जो रियल एस्टेट डेवलपर्स को स्थानीय स्तर पर उत्पाद बनाने के लिए भवन निर्माण सामग्री की आपूर्ति करते हैं। क्रेडाई नेशनल के अध्यक्ष सतीश मगर ने कहा, हम अपने सदस्य डेवलपर्स से अपील करते हैं कि वे चीनी सामानों पर निर्भर न रहें। वे जीवन और व्यवसाय के लिए स्वदेशी या मेड इन इंडिया को अपनाएं। 1999 में स्थापित दी कनफेडरेशन ऑफ रीयल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) भारत में निजी रीयल एस्टेट डेवलपर्स के लिए शीर्ष निकाय है। यह देश के 21 राज्यों और 220 शहरों के 20 हजार से अधिक डेवलपर्स का प्रतिनिधित्व करता है।

## उर्जित पटेल को मिली बड़ी जिम्मेदारी, 2018 में छोड़ा था आरबीआई के गवर्नर का पद

**बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।**

भारतीय रिजर्व बैंक ) के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी के चेयरमैन पद पर नियुक्त किया गया है। उर्जित पटेल से पहले इस पद पर विजय केलकर थे, जिन्होंने 2014 में पदभार संभाला था। उर्जित पटेल को चार साल की अवधि के लिए इस पद पर नियुक्त किया गया है, वो 22 जून को पद संभालेंगे। गौरतलब है कि उर्जित पटेल ने दिसंबर 2018 में केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता को लेकर सरकार के साथ कुछ मनमुटाव के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। एनआईपीएफपी ने एक बयान में कहा कि रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डॉ. उर्जित पटेल 22 जून, 2020 से शुरू होने वाले अगले चार साल के कार्यकाल के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी का विशेषाधिकार सौंपा जाता है। एनआईपीएफपी के मैंबर में वित्त मंत्रालय के तीन प्रतिनिधि, नीती आयोग के एक प्रतिनिधि, भारतीय रिज़र्व बैंक के एक प्रतिनिधि, राज्य सरकारों के प्रायोजक के तीन प्रतिनिधि, तीन प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री, सिस्टर रिसर्च इंस्टीट्यूट के तीन प्रमुख और अन्य प्रायोजन एजेंसियों के सदस्य शामिल होते हैं। एनआईपीएफपी का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक अर्थशास्त्र से संबंधित क्षेत्रों में नीति निर्माण में योगदान देना है। इस संस्था को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के अलावा और विभिन्न राज्य सरकारों से वार्षिक अनुदान सहायता मिलता है। पटेल का तीन साल का कार्यकाल सितंबर, 2019 में पूरा होना था लेकिन उन्होंने साल 2018 दिसंबर में ही पद से इस्तीफा दे दिया। जिसके बाद शक्तिकांत दास ने रिजर्व बैंक के गवर्नर का पद



संभाला है। उर्जित पटेल के गवर्नर पद संभालने के 3 महीने बाद ही नोटबंदी का फैसला लिया गया था। जिसके बाद ने सरकार के इस फैसले को लेकर सचेत भी किया था क्योंकि वह इस बात से सहमत नहीं था। इस बात का खुलासा पिछले साल दायर आरटीआई से हुआ था।

## एयर इंडिया ने पेश किया सप्ताह में तीन दिन काम करने का प्लान, कर्मचारियों को मिलेगा 60प्रतिशत वेतन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

एयर इंडिया ने अपने स्थायी कर्मचारियों के लिए 'सप्ताह में कम दिन काम की योजना पेश की है। इसके तहत पायलटों और केबिन क्रू सदस्यों को छोड़कर एयरलाइन के स्थायी कर्मचारी सप्ताह में तीन दिन काम का विकल्प चुन सकते हैं। इसके लिए उन्हें 60 प्रतिशत वेतन दिया जाएगा। एयरलाइन के अधिकारियों ने बताया कि यह उपाय लागू करने का मकसद कोरोना वायरस महामारी के बीच एयर इंडिया की नकदी प्रवाह की स्थिति को सुधारना है। अधिकारियों ने कहा कि जो स्थायी कर्मचारी इस विकल्प को चुनेंगे, वे इस योजना को एक साल तक के लिए अपना सकते हैं। इस महामारी से विमानन उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस संकट के बीच लगभग सभी एयरलाइंस ने अपने नकदी प्रवाह को सुधारने के लिए कर्मचारियों के वेतन में कटौती और छंटनी जैसे कदम उठाए हैं। अधिकारियों ने कहा कि जो कर्मचारी सप्ताह में कम दिन काम का विकल्प चुनेंगे, उनको शेष दिनों में किसी और रोजगार के



विकल्प की अनुमति नहीं होगी। देश में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए 25 मार्च से लॉकडाउन लगाया गया था। देश में सीमित संख्या में घरेलू यात्री उड़ानें 25 मई से दोबारा शुरू हो गई हैं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानें अभी बंद हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## इंग्लिश प्रीमियर ली में मैनचेस्टर और टॉटेनहैम का मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा

**लंदन।** सर्जरी से वापसी कर रहे पॉल पोग्बा ने इंग्लिश प्रीमियर लीग की वापसी पर अपना दमखम दिखाते हुए पेनल्टी हासिल किया जिसे ब्रुनो फर्नांडिज ने गोल में बदल कर टॉटेनहैम के खिलाफ मैनचेस्टर यूनाइटेड की वापसी कराई। स्टीवेन बेर्गविज्न ने 27वें मिनट में गोल कर टॉटेनहैम को आगे कर दिया था। टीम की यह बढ़त 81वें मिनट तक कायम रही। कोरोना वायरस महामारी के कारण दोनों टीमों के खिलाड़ी मार्च के बाद पहली बार मैदान में उतरे थे। पोग्बा दिसंबर में चोटिल हो गये थे और चोट से उबरने के बाद यह उनका पहला मुकाबला था। वह मैदान में 63वें मिनट में आये। इस ड्रा मुकाबले के बाद मैनचेस्टर के 30 मैच में 46 जबकि टॉटनहैम के इतने ही मैच में 42 अंक है। मैच शुरू होने से पहले खिलाडियों ने घुटने पर बैठ कर 'ब्लैक लाइव मैटर्स अभियान को अपना समर्थन दिया।

# ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड ने कहा- फैंस को स्टेडियम में आने से नहीं रोका जाएगा; प्रधानमंत्री ने सिर्फ 25प्रतीशत दर्शकों को आने की मंजूरी दी है

**जालन्धर (एजेंसी)।**

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अंतरिम सीईओ निक हॉकले ने शनिवार को कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप में अगर 15 टीमें ऑस्ट्रेलिया आ सकती हैं तो फिर फैंस को भी स्टेडियम में आने से नहीं रोका जाएगा। इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि सभी दर्शकों को स्टेडियम में आने की मंजूरी दी जाएगी। जबकि प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने सिर्फ 25त्न दर्शकों के साथ सभी खेल टूर्नामेंट कराने की मंजूरी दी है। ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में टी-20 वर्ल्ड कप 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होना है। कोरोना के कारण इसे टाला जाए या नहीं इस पर अगले महीने आईसीसी की बैठक में फैसला किया जा सकता है। प्रधानमंत्री की मंजूरी के बाद वर्ल्ड कप होने की उम्मीद बढ़ी हाल ही में केविन रॉबर्ट्स ने सीए के सीईओ पद से इस्तीफा दिया है। उनके बाद हॉकले को अंतरिम सीईओ बनाया गया। रॉबर्ट्स ने कहा था कि 15 टीमों को कोरोना के बीच ऑस्ट्रेलिया लाना मुश्किल होगा। ऐसे में वर्ल्ड कप टलने की आशंका ज्यादा है। हालांकि, इसके बाद प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने स्टेडियम में 25त्न दर्शकों को आने की मंजूरी दे दी है। इस कारण वर्ल्ड कप होने की उम्मीद बढ़ गई है। एक शहर में 6-7 टीमों का एक साथ होना बेहद मुश्किल हॉकले ने क्रिकेट.कॉम.एयू वेबसाइट से कहा, ''हमने हाल के कुछ हफ्ते में सभी मामलों की समीक्षा की है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंध के साथ ही फैंस को स्टेडियम में आने की मंजूरी मिल सकती है। हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती 15 टीमों को देश में लाना है। हम इसकी तुलना द्विपक्षीय सीरीज से नहीं कर सकते, जहां किसी एक टीम को लाकर आपस में मैच खेलने की बात होती है। यह आसान होता है, लेकिन 15 या फिर 6-7 टीमों का एक समय में किसी एक शहर में होना, बेहद मुश्किल होगा।'' विदेशी दर्शकों को भी मिल सकेगी एंट्री जब हॉकले से पूछा गया कि क्या विदेशी दर्शकों को भी एंट्री दी जाएगी? इस पर उन्होंने कहा, ''हां, मौजूदा समय में हमारा यही प्लान है।'' हॉकले से पूछा गया कि क्या उन्हें फुल टाइम सीईओ बनाया जा सकता है, इस पर उन्होंने कहा, ''अपना काम बेहतर तरीके से करना ही मेरा लक्ष्य है। मैंने जब से पद संभाला है, तब से टी-20 वर्ल्ड कप ही मेरी प्रायोरिटी रही है। तब से टी-20 वर्ल्ड कप ही मेरी प्रायोरिटी रही है। जल्द ही सीईओ के पद पर नई नियुक्ति की जाएगी, क्योंकि आप एक साथ दो काम नहीं कर सकते हैं।''

## विंडीज क्रिकेटर एडवर्ड का दावा- सचिन की रिटायरमैंट पर खूब रोये थे क्रिस गेल

**जालन्धर (एजेंसी)।**

विंडीज क्रिकेटर किर्क एडवर्ड ने दावा किया है कि सचिन की रिटायरमैंट पर वह और उनकी टीम मेट क्रिस गेल खूब रोए थे। एडवर्ड ने कहा- वह ऐसा क्षण था जिसे भुलाना आसान नहीं था। एडवर्ड ने इस दौरान सचिन तेंदुलकर की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा- वह ऐसे शख्स थे जो हर समय किसी भी क्रिकेटर की मदद के लिए तैयार रहते थे। बकौल एडवर्ड- वह खुद जब बुरी फॉर्म से गुजर रहे थे तो सचिन के भेजे संदेशों ने उनपर जादुई काम किया। एडवर्ड ने इस दौरान सचिन के आखिरी टेस्ट पर बात की। उन्होंने कहा- मैं भले ही उक्त टेस्ट में नहीं खेला लेकिन मैं इंडिज टीम का सदस्य होने के कारण मैदान पर था। एडवर्ड ने कहा- टेस्ट के पहले दिन इंडीज को 182 रन पर सिमेटकर भारतीय टीम ने पहले दिन 157 रन बना लिए थे। तब पुजारा और तेंदुलकर मैदान पर थे।

सबको उम्मीद थी- दूसरे दिन सचिन शतक बनाएंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उनके देखने के लिए पूरा स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था। हर तरफ तालियों की गूंज थी। सचिन के 200वें टेस्ट के दौरान मैं भी वहीं था। यह हमारे लिए काफी भावुक कर देने वाला क्षण था। मैं भावुक था। मैंने चश्मा लगा रहा था मेरे साथ ही गेल ने भी ऐसा किया था। हम दोनों रो रहे थे। हमारे कोशिश थी कि आंखों से आंसू न निकले। यह बहुत भावुक कर देने वाला क्षण था, जब हमें पता था कि यह इंसान अब भविष्य में क्रिकेट खेलता नहीं दिखेगा। एडवर्ड ने उक्त टूर के दौरान सचिन तेंदुलकर से हुई बातचीत का जिक्र किया। एडवर्ड ने कहा- सचिन ऐसे शख्स हैं जिन्होंने उन्हें करियर बनाने का उत्साहित किया। मैं वर्ल्ड बल्ला इस्तेमाल करता था जोकि सचिन किया करते थे। एक बार वह मेरे पास आए।

## पाकिस्तान टीम 28 जून को इंग्लैंड दौरे पर जाएगी, खिलाड़ी 14 दिन क्वारैंटाइन रहेंगे

**जालन्धर ।** कोरोना के बीच पाकिस्तान क्रिकेट टीम 28 जून को इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। यहां उसे तीन मैचों की टेस्ट और इतने ही टी-20 मैच की सीरीज खेलनी है। इंग्लैंड पहुंचने पर पाकिस्तान टीम डर्बीशायर में 14 दिन क्वारैंटाइन रहेगी। हालांकि, इस दौरान खिलाड़ियों के प्रैक्टिस पर किसी तरह की रोक नहीं रहेगी। इस दौरे के लिए पाकिस्तान ने 29 सदस्यीय टीम चुनी है ताकि किसी खिलाड़ी के संक्रमित या बीमार होने की सूरत में उसका रिप्लेसमेंट आसानी से मिल जाए। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान जारी कर कहा,''कोरोना की वजह से इंग्लैंड में भी घरेलू क्रिकेट नहीं शुरू हो पाया है। ऐसे में काउंटी टीमों के खिलाफ अभ्यास मैच नहीं हो सकेंगे। इसकी भरपाई के लिए पाकिस्तान टीम इंट्रा स्कवॉड( आपस में टीम) मैच खेलेगी। पाकिस्तानी क्रिकेटर 17 मार्च के बाद से ही कॉम्पिटिटिव क्रिकेट नहीं खेल पाएं। तब कोरोना की वजह से घरेलू टी-20 लीग पीएसएल को फाइनल से ही रद्द करना पड़ा था। इधर, इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम में शामिल शोएब मलिक 24 जुलाई को टीम से जुड़ेंगे। उन्हें पीसीबी ने परिवार के साथ वक्त बिताने के लिए छूट दी है। कोरोना की वजह से मलिक पिछले 5 महीने से पाकिस्तान में है, जबकि उनकी पत्नी सानिया मिर्जा और डेढ़ साल का बेटा इज्हान भारत में हैं। वे अब तक परिवार से मिल नहीं पाए हैं। पीसीबी के सीईओ वसीम खान ने मलिक को छूट देने के मामले पर कहा, ''धीरे-धीरे यात्रा प्रतिबंधों में ढील दी जा रही है। ऐसे में मानवीय आधार पर अगर कोई खिलाड़ी अपने परिवार से मिलना चाहता है, तो यह हमारी ड्यूटी है कि हम इसमें मदद करें। इस मामले को लेकर हमने ईसीबी से भी बात की है। उन्होंने शोएब को 24 जुलाई के बाद देश में आने की मंजूरी दे दी है।

# इंगलैंड की टीम में एक और पंजाबी क्रिकेटर की एंट्री, मोटा होने के कारण हुआ था बाहर

**जालन्धर (एजेंसी) ।**

इंगलैंड में एक और पंजाबी क्रिकेटर की एंट्री हो गई है। यह क्रिकेटर है गुरअमर सिंह विर्दी। 21 साल के गुरअमर सिंह (अमर विर्दी) को उनके शानदार फर्स्ट क्लास करियर की वजह से वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने शुरू होने वाले टेस्ट सीरीज के लिए इंगलैंड टीम में चुना गया है। गुरअमर के लिए इंगलैंड की राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना इतना आसान नहीं था। यहां तक कि अपने वजन के कारण वह सरी टीम से भी बाहर हुए। लेकिन मेहनत कर उन्होंने न सिर्फ अपना वजन कम किया बल्कि सीजन के पहले ही मैच में 14 विकेट लेकर सबको हैरान कर दिया। गुरअमर सिंह विर्दी की फैमिली पंजाब से है। हालांकि वह सीधे यूके नहीं गए। इससे पहले वह केन्या और युगांडा में रहे। गुरअमर के पिता केन्या की ओर से जूनियर टेनिस भी खेल चुके हैं। लेकिन गुरअमर को क्रिकेट की राह उनके बड़े भाई ने दिखाई। गुरअमर सिंह ने महज 13 साल की उम्र में ही प्रोफेशनल क्रिकेटर के तौर पर खेलना शुरू कर दिया। कहते हैं- अपने क्रिकेट का सपना पूरा करने के लिए गुरअमर ने प्राइवेट स्कूल से मिल रही स्कॉलरशिप की ऑफर भी ठुकरा दी थी। गुरअमर के लिए इंगलैंड टीम में आना आसान नहीं था। वह 2018 की काऊंट्री चैम्पियनशिप में 39 विकेट लेकर चर्चा में आए थे। लेकिन जनवरी 2019 में वह चोट के कारण

तनाव में रहने लगे। इस दौरान सर्रे क्रिकेट के डायरेक्टर एलेक स्टीवर्ट ने गुरअमर को अपना वजन कम करने की ताकीद दे दी। गुरअमर को लय पाने में कुछ महीने लग गए। लेकिन जब वह लौटे तो उन्होंने कमाल का प्रदर्शन किया। गुरअमर ने लॉटिघमशायर के खिलाफ खेले गए मैच में 14 विकेट चटकाईं। उन्होंने पहली पारी में 8/61 तो दूसरी पारी में 6/78 का प्रदर्शन किया। गुरअमर को बीते महीने उन 55 क्रिकेटरों की सूची में जगह मिली थी जोकि कोरोना वायरस काल के दौरान इंगलैंड बनाम वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज खेलेगी। गुरअमर अब 30 क्रिकेटरों में आ गए हैं जोकि टेस्ट सीरीज के लिए तैयारी खींच रहे हैं। बता दें कि गुरअमर सिंह अब तक 23 फर्स्ट क्लास मैचों में 69 विकेट चटका चुके है।

## संक्षिप्त समाचार

## चीन से तनाव के चलते बीसीसीआई का बड़ा फैसला, आईपीएल गवर्निंग काउंसिल स्पॉन्सरशिप डील की करेगी रिव्यू

**नई दिल्ली।** भारत और चीन के बीच सीमा पर चल रहे गतिरोध के मद्देनजर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने टूर्नामेंट के 'विभिन्न प्रायोजन सौदों की समीक्षा करने के लिए अगले सप्ताह अपनी संचालन परिषद की बैठक बुलाई है। आईपीएल के प्रमुख प्रायोजकों में चीनी स्वामित्व वाली कंपनी वीवो टाइटल प्रायोजक है। आईपीएल ने वीवो के मद्देनजर यह कदम उठाया है। दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार देर रात एक ट्वीट करते हुए आईपीएल प्रायोजन सौदों की समीक्षा की बात स्वीकारी, लेकिन उसने किसी नाम का जिक्र नहीं किया। गौरतलब है कि गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ झड़प में 20 भारतीय जवान शहीद हो गये थे जिसके बाद देश भर में चीनी कंपनियों और उसके उत्पादों के बहिष्कार का सिलसिला जोर पकड़ चुका है। चीनी मोबाइल हैंडसेट निर्माता कंपनी वीवो ने पहली बार वर्ष 2015 में दो वर्षों के लिए आईपीएल का टाइटल प्रायोजन हासिल किया था। फिर वीवो ने वर्ष 2017 में पांच साल की अवधि के लिए आईपीएल के टाइटल प्रायोजन के अधिकार हासिल किए थे। कंपनी ने इस सौदे का करार 341 करोड़ डॉलर में किया था।

# भारत-चीन विवादः आईपीएल अपने प्रायोजकों की करेगी समीक्षा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

भारत और चीन के बीच सीमा पर चल रहे गतिरोध के मद्देनजर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने टूर्नामेंट के 'विभिन्न प्रायोजन सौदों की समीक्षा करने' के लिए अगले सप्ताह अपनी संचालन परिषद की बैठक बुलाई है। आईपीएल के प्रमुख प्रायोजकों में चीनी स्वामित्व वाली कंपनी वीवो टाइटल प्रायोजक है। आईपीएल ने वीवो के मद्देनजर यह कदम उठाया है। भारतीय क्रिक्रकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार देर रात एक ट्वीट करते हुए आईपीएल प्रायोजन सौदों की समीक्षा की बात स्वीकारी, लेकिन उसने किसी नाम का जिक्र नहीं किया।गौरतलब है कि गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ झड़प में 20 भारतीय जवान शहीद हो गये थे जिसके बाद देश भर में चीनी कंपनियों और उसके उत्पादों के बहिष्कार का सिलसिला जोर पकड़ चुका है। चीनी मोबाइल हैंडसेट निर्माता कंपनी वीवो ने पहली बार वर्ष 2015 में दो वर्षों के लिए आईपीएल का टाइटल प्रायोजन हासिल किया था। फिर वीवो ने वर्ष 2017 में पांच साल की अवधि के लिए आईपीएल के टाइटल प्रायोजन के अधिकार हासिल किए थे। कंपनी ने इस सौदे का करार 341 करोड़ डॉलर में किया था। इसके तुरंत बाद आईपीएल ने मोबाइल वॉलेट कंपनी पेटीएम को वर्ष 2018-22 के लिये आधिकारिक ऑन-ग्राउंड प्रायोजक के रूप में चुना था। पेटीएम के मुख्य निवेशकों में से एक 'अलीबाबा' एक चीनी ई-कॉमर्स कंपनी है। बीसीसीआई ने जहां आईपीएल प्रायोजन की समीक्षा करने की बात कही है, वहीं भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने संकेत दिया है कि निकट भविष्य में चीन की प्रायोजक कंपनी ली निंग के साथ करार तोड़ा जा सकता है। आईओए के कोषाध्यक्ष आनंदेश्वर पांडेय ने कहा, ÷हम देश से अलग नहीं है। हमारे लिये देश सर्वोपरि है। हम केन्द्र के हर फैसले के साथ खड़े हैं। चीन की कंपनी ली निंग के साथ हमारा करार 2016 में रियो ओलंपिक से पहले हुआ था जो टोक्यो ओलंपिक तक के लिये है। करार के तहत ली निंग भारतीय खिलाड़ियों को पांच से छह करोड़ रूपये की किट मुहैया कराती है। आनंदेश्वर पांडेय ने कहा, कोरोना वायरस के कारण टोक्यो ओलंपिक तो फिलहाल 2021 तक के लिए टल गया है और हाल-फिलहाल कोई बड़ा खेल आयोजन भी नहीं है। इसलिये हमारे पास करार पर विचार करने के लिये पर्याप्त समय है। हम जल्द ही कार्यकारिणी की बैठक बुलायेंगे जिसमें चीन के साथ सैन्य तनाव बरकरार रहने की दशा में करार को तोड़ने का फैसला लिया जा सकता है, हालांकि इस संबंध में केन्द्र सरकार के दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जायेगा। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा है कि बोर्ड भविष्य में किसी भी सौदे (2022 के बाद) की समीक्षा के लिये तैयार है, लेकिन वीवो के साथ मौजूदा अनुबंध के खत्म होने की संभावना नहीं है। धूमल ने कहा, आप जब भावनात्मक रूप से बात करते हैं, तो तर्क को पीछे छोड़ देते हैं। हमें एक चीनी कंपनी को चीनी हितों के लिए समर्थन करने और भारत के हितों का समर्थन करने के लिए चीनी कंपनी से सहायता लेने के बीच फर्क को समझना होगा। धूमल ने कहा,÷हम जब भारत में चीनी कंपनियों को उनके उत्पाद बेचने की अनुमति देते हैं, तो जो भी पैसा वे भारतीय उपभोक्ताओं से ले रहे हैं, उसमें से कुछ राशि बीसीसीआई को ब्रांड प्रचार के लिए दे रहे हैं जबकि बोर्ड भारत सरकार को 42 फीसदी टैक्स चुका रहा है। इसलिए यह करार चीन के नहीं, बल्कि भारत के हित में है। बीसीसीआई ने कोविड-19 महामारी के कारण आईपीएल को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया है। आईपीएल के इस वर्ष आयोजित नहीं होने से बीसीसीआई को 4000 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है।

भारत और चीन के बीच पिछले कुछ दिनों से लेह सीमा पर विवाद चल रहा है जिसमें 15 जून की रात दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई।

## युजवेंद्र चहल को फिर याद आए सुशांत सिंह राजपूत, शेयर किया दिल छू लेने वाला पोस्ट

**स्पोर्ट्स डेस्क।** टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी युजवेंद्र चहल अपनी स्पिन गेंदबाजी के इलावा सोशल मीडिया पर मस्ती के लिए भी जाने जाते है। जहां वह अपनी



मजेदार फनी वीडियो से फैंस का जमकर मनोरंजन करते रहते है। हालांकि कुछ दिन पहले बॉलीवुड के मशहूर एक्टर सुशांत सिंह की मौत के बाद फैंस से लेकर क्रिकेट जगत के खिलाड़ियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। ऐसे में क्रिकेटर चहल ने एक बार फिर से सुशांत सिंह की एक दर्द से भरी पोस्ट डाली है। जो इस समय इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही है। दरअसल, चहल ने अपने इंस्टास्टोरी में सुशांत सिंह राजपूत की एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में सुशांत की पीठ में कुछ खंजर लगे हुए हैं। इन खंजरों पर लिखा है- नेपोटिज्े म, बुली, बॉलीवुड, बैन, शोषण, बॉयकॉट। उसके बावजूद सुशांत कह रहे हैं कि मैं ठीक हूं। यह पोस्ट काफी दिल छू लेने वाला है। बता दें, चहल ने अपने इंस्टाग्राम की प्रोफाइल फोटो में भी सुशांत सिंह राजपूत की तस्वीर ही लगाई हुई है। जिसके बाद सुशांत को याद कर फैंस भी काफी भावुक हुए। काय पो छे, एम एस धोनी, केदारनाथ जैसी फिल्मों में बेहतरीन कलाकारी करने वाले मशहूर एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने मुंबई अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। वह 34 साल के थे। उनके नौकरों ने उनके शव को पंखे से लटकते हुए देखा और फिर इसकी जानकारी पुलिस को दी। लॉकडाउन के दौरान सुशांत सिंह राजपूत अकेले रह रहे थे। आपको बता दें, 4 साल पहले क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी की बायोपिक रिलीज हुई थी। आपको बता दें, 4 साल पहले क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी की बायोपिक रिलीज हुई थी। एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी में धोनी का किरदार सुशांत सिंह राजपूत ने निभाया था। इस फिल्म में सुशांत धोनी के रोल में ऐसे फिट हुए कि फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कलेक्शन किया था।

## कोरोना वायरस लॉकडाउन के बाद चीन में बास्केटबॉल लीग बहाल

**बीजिंग।** चीन बास्केटबॉल लीग कोरोना वायरस महामारी के कारण पांच महीने तक बंद होने के बाद बहाल हो गयी जिसमें कुछ विदेशी खिलाड़ी मौजूद होंगे लेकिन स्टैंड में दर्शकों को अनुमति नहीं होगी। चीन बास्केटबॉल लीग वुहान में कोरोना वायरस के फैलने के बाद 24 जनवरी से निर्लंबित कर दिया गया था। सेमीफाइनल चरण शनिवार से शुरू हुए जिसमें 20 टीमों को दो डिवीजन में विभाजित किया गया ।

## कोरोना वायरस की चपेट में आया सौरव गांगुली का परिवार

**स्पोर्ट्स डेस्क।** दुनिया में कोरोना वायरस का कहर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। जहां भारत देश की बात करे तो अलग-अलग राज्यों में एक से लेकर ज्यादा नए कोरोना पॉजीटिव केस सामने आए है। ऐसे में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई के मौजूदा अध्यक्ष सौरव गागुंली के परिवार के सदस्य कोविड-19 की चपेट में आ गए है। दरअसल, क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के सचिव और गांगुली के बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली कोरोना पॉजिटव पाए गए हैं। स्नेहाशीष गांगुली के पॉजिटिव पाए जाने की जानकारी स्वास्थ्य विभाग ने दी है। स्नेहाशीष गांगुली की स्नेहाशीष गांगुली की स्नेहाशीष गांगुली की पत्नी भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार स्नेहाशीष के सास और ससुर पिछले सप्ताह कोरोना की चपेट में आ गए थे।

# इरफान पठान का दावा- मैं हूं इंडिया का बैस्ट वनडे ऑलराऊंडर

**नई दिल्ली (एजेंसी) ।**

भारतीय ऑलराऊंडर इरफान पठान का कहना है कि वह भारतीय टीम के लिए अब तक वनडे क्रिकेट के बैस्ट ऑलराऊंडर हैं। इरफान ने एक क्रिकेट शो के दौरान इसपर बात की। उन्होंने साफ कहा- जितने मैच मैंने खेले अगर उसकी तुलना किन्हीं और भारतीय ऑलराऊंडरों के साथ की जाए तो यकीनन मेरा रिकॉर्ड काफी अच्छा लगेगा। इरफान ने कहा- उपलब्धि के मामले में, बहुत कुछ हो सकता था। मैं वास्तव में मानता हूं कि एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैं सबसे अच्छा ऑलराउंडर हो सकता था, जोकि भारत के पास पहले नहीं था। पठान ने कहा कि ऐसा इसलिए नहीं हुआ क्योंकि मैं उतना क्रिकेट नहीं खेल पाया जितना मैं खेल सका। भारत के लिए मेरा आखिरी खेल 27 साल की उम्र में था। मुझे लगता है कि अगर आप 35 साल तक खेलते हैं, तो चीजें बेहतर होती हैं। मैंने जो भी मैच खेले मैच-विजेता के रूप में खेला। मैंने एक ऐसे व्यक्ति की तरह खेला, जिसने टीम के लिए अंतर बनाया। भले ही मुझे एक विकेट मिलता था लेकिन यह भी प्रभाव डालता था। मैंने बल्ले से कई अच्छी पारियां खेलीं। इरफान ने कहा- यदि आप पहले 59 एकदिवसीय मैच खेलते हैं, तो ज्यादातर में आपको नई गेंद से गेंदबाजी करनी होती है। लेकिन धीरे-धीरे आपको पुरानी गेंद से भी गेंदबाजी करने का मौका मिलता है।

आपका उद्देश्य, आपकी मानसिकता, आपकी शारीरिक भाषा और आपकी जिम्मेदारी विकेट लेना है। लेकिन जब आप पहले बदलाव की गेंदबाजी कर रहे होते हैं, तो आपकी भूमिका भी बदल जाती है, आपकी भूमिका रक्षात्मक हो जाती है। इरफान ने कहा- मौके अनुसार आप अपने कप्तान और कोच के अनुसार रक्षात्मक गेंदबाज होते हैं। ऐसे में आपको रन बनाने की भूमिका अदा करनी पड़ती है।

## अफरीदी के बाद बांग्लादेश के पूर्व कप्तान मुर्तजा की रिपोर्ट पॉजिटिव, वायरस से संक्रमित होने वाले देश के दूसरे क्रिकेटर

**स्पोर्ट्स डेस्क।** शाहिद अफरीदी के बाद बांग्लादेश के पूर्व कप्तान मशरफे मुर्तजा की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वे इस वायरस से संक्रमित होने वाले देश के दूसरे क्रिकेटर हैं। इससे पहले, वनडे टीम के कप्तान तमीम इकबाल के भाई नफीस संक्रमित पाए गए थे। छोटे भाई मोर्सलिन बिन मुर्तजा ने बताया कि मशरफे की तबीयत कुछ दिन से ठीक नहीं थी। उन्हें शरीर में दर्द के साथ हल्का बुखार था। इसके बाद उन्होंने कोरोना टेस्ट कराया था, शनिवार को जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। फिलहाल वे ढाका में अपने घर पर ही आइसोलेशन हैं। मुर्तजा सांसद भी हैं और कोरोनावायरस के बीच अपने संसदीय क्षेत्र नरेल में लोगों को मदद पहुंचाने के काम में जुटे हुए थे। उनके इसी दौरान संक्रमित होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। उनकी सास भी कोरोनावायरस की चपेट में आ गई हैं। 15 जून को उनकी टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। बीते हफ्ते पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। उन्होंने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी और लोगों से दुआ करने की अपील की थी। हाल ही में अफरीदी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर(पीओके) के दौरे पर गए थे इसके बाद ही उनका कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# फिल्मी दुनिया

## ऑल ब्लैक लुक में 42 की माईलीन क्लैस का स्टनिंग लुक, रेडियो स्टूडियो के बाहर यूं दिए पोज

**लंदन।** हॉलीवुड मॉडल और एक्ट्रेस माईलीन क्लैस हाल ही में ग्लोबल रेडियो स्टूडियो के बाहर स्पॉट किया गया। इस दौरान 42 साल की गायिका और ब्रॉडकास्टर ब्लैक कलर की आउटफिट में नजर आईं। इसके साथ उन्होंने ब्लैक कलर का कोट कैरी किया था। ड्रेस के साथ खुले बाल और शेड्स उनके लुक को चार-चांद लगा रहे हैं। पैपराजी पर नजर पड़ते ही माईलीन ने स्टाइलिश अंदाज में पोज दिए। इस खूबसूरत ड्रेस के साथ उन्होंने व्हाइट बैग कैरी किया। माईलीन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि माईलीन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। माईलीन सोशल साइट पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन फैंस के साथ अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

# जब मुकेश भट्ट ने की सुशांत की परवीन बाबी से तुलना तो कंगना ने सुनाई खरी-खरी

**मुंबई।**

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई खुलासे हो रहे है। पूरी इंडस्ट्री दो गुटों में बंटी नजर आ रही है। एक गुट जो बॉलीवुड की काली सच्चाई को सामने ला रहा है तो वहीं दूसरा गुट इंडस्ट्री के खुलासों पर चुप्पी साधने की कोशिश कर रहा है। एक्ट्रेस कंगना रनौत भी उसी गुट में शामिल हैं जो बॉलीवुड की काली सच्चाई को सबके सामने लाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने सुशांत सिंह की मौत के बाद बॉलीवुड स्टार्स की असली सच्चाई लोगों के सामने ला रखी है, जिसके चलते कुछ लोग उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। मगर कंगना उन्हें भी खरी खरी सुना रही हैं। हाल ही में एक बार फिर कंगना ने मुकेश भट्ट के बयान पर नाराजगी जाहिर की है। क्योंकि एक इंटरव्यू में मुकेश भट्ट ने कहा था कि उन्हें पता चलने लगा था कि सुशांत सिंह राजपूत, परवीन बाबी की तरह हरकतें करने लगे थे। कंगना को मुकेश भट्ट की बात ठीक नहीं लगी और उनके बयान की आलोचना करते हुए कहा कि उन लोगों ने परवीन बाबी के साथ क्या किया यह पूरा जमाना जानता है। एक्ट्रेस ने अपनी बात रखते हुए आगे कहा, जब ऋतिक से मेरा ब्रेकअप हुआ था तो महेश भट्ट ने कहा था कि मैं टूट जाउंगी। उन्होंने दावा किया था कि ऋतिक ने जो प्रूफ उन्हें दिखाए हैं, उनसे लगता है कि मैं अपने अंत की तरफ बढ़ रही हूं। मुझे मालूम है कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा था? आज से उस बात को चार साल हो गए हैं, लेकिन मेरे साथ कुछ भी गलत नहीं हुआ। उन्हें ऐसा क्यों लगा था कि कुछ गलत होने वाला है ? उन्हें क्यों लगता था कि मेरा अंत करीब है ? और अब उनके भाई कह रहे हैं कि सुशांत परवीन बाबी बन चुके थे। वो किसी के बारे में ऐसा कहने वाले कौन होते हैं।

## इस टीवी एक्ट्रेस और उसकी मां को हुई जेल

**दमोह ।** टीवी सीरियल में अपनी कलाकारी का जादू बिखेरने वाली चाहत पांडेय और उसकी मां भावना पांडेय मारपीट के एक मामले में जेल पहुंच गईं हैं। कोतवाली पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट करने सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। करीब एक सप्ताह पहले भी चाहत की मां ने अपने भाई तनुज पाराशर के घर जाकर गाली-गलौज व मारपीट कर धमकी दी थी कि वह एक सप्ताह बाद उन्हें नहीं छोड़ेंगे। उस समय भी पुलिस ने मामला दर्ज कि या था, जिसमें वह फरार चल रहीं थी। अब दोबारा हुई घटना के बाद पुलिस ने उन सभी को गिरफ्तार कि या और उन्हें न्यायालय में पेश कि या, जहां से न्यायाधीश ने उन्हें जेल भेज दिया। इस मामले में चाहत के दो भाई भी शामिल हैं, जिन्हे नाबालिग बताया गया है, इसलिए न्यायालय ने उन्हें राहत देते हुए जेल नहीं भेजा। बता दें कि चाहत पांडेय टीवी कलाकार हैं। वह तेनालीराम, राधा कृष्ण, सावधान इंडिया और नागिन 2 टीवी सीरियल में काम कर चुकी है। लॉकडाउन की वजह से चाहत दमोह स्थित घर पर ही रह रही है। कुछ दिन पहले चाहत अपने साथी हीर चौपड़ा के साथ विवादों की वजह से भी सुर्खियों में थी । कोतवाली टीआई एचआर पांडेय ने बताया कि कलाकार चाहतमणि पांडेय, उसकी मां भावना व दो नाबालिग भाई अपने मामा तनुज पाराशार के घर पहुंचे और तनुज व उसकी पत्नी से गाली-गलौच की और उसके घर में तोड़फोड़ करते हुए सीसीटीवी कैमरे व अन्य सामग्री तोड़ दी, इसके अलावा मारपीट का भी प्रयास कि या। इस पूरी घटना का वीडियो भी पीड़ित पक्ष ने अपने मोबाइल में कैद किया, जिसे सबूत के तौर पर पुलिस के सौंपा। इसके बाद पुलिस ने आरोपितों पर तनुज पाराशर की पत्नी मीना पाराशर की शिकायत पर दूसरी बार एफआईआर करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया।टीआई पांडेय ने बताया कि विवाद की सूचना पर जब पुलिस घटना स्थल पर पहुंची तो सभी आरोपित घर में तोड़फोड़ कर रहे थे। पुलिस ने जब उन्हें रोकने का प्रयास कि या तो इन सभी आरोपितों ने पुलिस के साथ भी बद्सलूखी की और माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया।

## सोशल मीडिया पर अपने लिए नफरत देख सोनम ने लिया फैसला, इंस्टाग्राम पर ऑफ किया कॉमेंट सेक्शन

**मुंबई।** एक्टर सुशांत राजपूत के निधन के बाद जहां एक तरफ डिप्रेशन पर चर्चा हो रही है। वहीं दूसरी तरह सोशल मीडिया लोगों ने नेपोटिजम के मुद्दे को उठाया है। लोगों ने सलमान खान, करण जौहर आलिया भट्ट और सोनम कपूर समेत कई स्टार्स पर निशाना साधा। वहीं उसमें घी डालने का काम सोनम कपूर के ट्वीट ने किया था। सोनम के इस ट्वीट के बाद उन्हें काफी ट्रोल किया गया। सोशल मीडिया पर उनकी इतनी खिंचाई हो रही है कि हारकर उन्हें अपना कॉमेंट सेक्शन तक को ऑफ करना पड़ा। इस बात की जानकारी खुद सोनम ने दी। सोनम ने पोस्ट शेयर कर लिखा- दोस्तो, मैं आमतौर पर नफरत और नेगेटिविटी को लेकर संकोच नहीं करती, क्योंकि मुझे उन लोगों के लिए दुख होता है, जिनके दिल में इतनी ज्यादा नफरत भरी हैं जो कि मुझसे ज्यादा उनके लिए नुकसानदेह है। लेकिन इनका निशाना मेरी फैमिली और फ्रेंड्स की तरफ है। मैं समझती हूं कि ये सारे पैसे देकर काम करने वाले लोग हैं जो रुढ़िवादी दक्षिणपंथियों के लिए सोशल मीडिया पर अजेंडा चलाते हैं। लेकिन यह वक्त है बॉर्डर पर जान देने वालों के बारे में बातें करना का और लॉकडाउन की वजह से जिंदगी पर पड़ने वाले असर के बारे में बातचीत का। मैं अपना कॉमेंट टर्न ऑफ कर रही हूं। बता दें कसुशांत की मौत के बाद लोग उनके डिप्रेशन और मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री में टैलंटेड होने के बावजूद मौका नहीं दिए जाने को लेकर बातें करने लगे थे, जिसके बाद सोनम ने ट्वीट कर लिखा-किसी की मौत पर उसकी गर्लफ्रेंड, एक्स गर्लफ्रेंड, फैमिली, कलीग को दोष देना अज्ञानता है। सोनम के इस ट्वीट के बाद लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरु कर दिया। इसी के साथ सोनम का एक पुराना वीडियो वायरल होने लगा जिसमें वह करण जौहर के रैपिड फायर राउंड में यह कहती नजर आ रही हैं कि वह सुशांत को नहीं जानतीं।

## सुशांत के बिना एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी का सीक्वल संभव नहीं

**मुंबई।** बॉलीवुड फिल्मकार अरूण पांडे का कहना है कि सुशांत सिंह राजपूत के बिना एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी का सीक्वल अब संभव नहीं है।सुशातं सिंह राजपूत ने वर्ष 2016 में प्रदर्शित फिल्म एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोर क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी का किरदार निभाया। फिल्मी पर्दे पर धोनी बनने के लिए सुशांत ने कड़ी मेहनत की थी। माही की चाल से लेकर बाल तक। बोलने के लहजे से लेकर बल्लेबाजी शैली तक को सुशांत सिंह राजपूत ने आत्मसात किया था। वह इस सुपरहिट फिल्म के सीक्वल के लिए भी काम करना चाहते थे। फिल्म के सह निर्माता अरुण पांडे का कहना है कि अब इस फिल्म का सीक्वल सुशांत के बिना संभव नहीं है। अरुण पांडे ने बताया कि धोनी अपनी बायोपिक में सुशांत के रोल से काफी प्रभावित थे। उन होंने बताया कि किस प्रकार से किरन मोरे ने सुशांत सिंह की धोनी का किरदार निभाने में मदद की थी। सुशांत महज 34 साल का था। मुझे इस बात में कोई शक नहीं है कि एक सुंदर भविष य उसका इंतजार कर रहा था। मैं, माही और सुशांत दिल्ली में धोनी के एयर इंडिया कॉलोनी मकान में गए थे। माही ने याद किया था कि वह कहां बैठते थे, खाते थे तो सुशांत भी किरदार को महसूस करने के लिए ऐसा करता था। घर में ऐसा भी स्थान था, जहां माही जमीन पर लेटता था तो सुशांत ने भी ऐसा ही कियाअरुण पांडे ने कहा, फसुशांत की मृत्यु के बाद फिल्म का सीक्वल बनाना संभव नहीं है। हम सुशांत के बिना इस फिल्म के सीक्वल के बारे में सोच भी नहीं सकते। हम इस फिल्म के सीक्वल पर सोच रहे थे, लेकिन अब इसका कोई मतलब नहीं रह जाता है।

# लोगों की नेगेटिव बातें सुन सुनकर तंग आईं कृति सेनन, पोस्ट के जरिए निकाली भड़ास

**बॉलीवुड ।**

एक्टर सुशांत सिंह के निधन के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें सुनने को मिल रही हैं। जिसका जो मन चलता है वहीं पोस्ट कर देता है। जहां तक तो लोग एक दूसरे को सुशांत का दोषी ठहरा रहे हैं। ऐसे में एक्ट्रेस कृति सेनन ने तंग आकर सोशल मीडिया पर लंबा चौड़ा पर शेयर किया और लोगों को मूंहतोड़ जवाब दिया। दरअसल, सुशांत सिंह की मौत को लेकर कुछ यूजर्स ने कृति सेनन पर गलत कमेंट्स किए कि उन्होंने सुशांत के लिए सोशल मीडिया पर कुछ नहीं लिखा। अब हाल ही में कृति ने उन लोगों पर पलटवार किया है और अपनी भड़ास निकाली है। उन्होंने लिखा, यह बहुत ही अजीब बात है कि हमेशा ट्रोलिंग और गॉसिप करने वाली दुनिया अचानक आपके जाने के बाद आपको अच्छा और पॉजिटिव कह रही है। सोशल मीडिया एक बहुत ही फेक और टॉक्सिक प्लेस बन गया है। अगर आप किसी के लिए पब्लिक्ली पोस्ट नहीं करते तो इसका मतलब आपको उसके जाने का दुख नहीं। ऐसे लगता है कि सिर्फ सोशल मीडिया ही रियल दुनिया है, असली दुनिया फेक है। कुछ मीडिया परसन अपना असली उद्देश्य भूल गए हैं। ऐसे समय में वो आकर कहेंगे कि लाइव आओ और कुछ कहो या कोई अंतिम संस्कार में जा रहा होगा तो गाड़ी के शीशे को नीचे करके फोटो लेने के लिए बोलेंगे ताकि आपकी फोटो क्लियर आ सके। वो लोग ये क्यों नहीं समझते कि इस वक्त उन पर क्या बीत रही होगी जिन्होंने किसी अपने को खोया है। जर्निलिजम के भी कुछ रूल्स होने चाहिए कि क्या करना है क्या नहीं। अंतिम संस्कार प्राइवेट और पर्सनल होता है। मैं मीडिया से अपील करती हूं कि ऐसी जगह ना आएं और अगर आते हैं तो मर्यादा न भूलें।

ग्लैमरस दुनिया में रहते हुए भी हम लोग नॉर्मल इंसान हैं और हमारे अंदर भी आप लोगों की तरह फीलिंग्स होती हैं। आप ऐसे कैसे किसी के लिए बुरा बोल सकते हैं कि जो आप सोचते हैं वहीं सचहै। आपके गंदे कमैंट्स किसी की लाइफ को बुरा बना सकते हैं।

## महिला ने लगाई सोनू सूद से नौकरी की गुहार, एक्टर का दिया दिल छू लेने वाला जवाब

**बॉलीवुड ।** एक्टर सोनू सूद लॉकडाउन के शुरूआती दिनों से ही प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं। अब भी उनका लोगों की मदद करने का प्रयास जारी है। हाल ही में एक बेरोजगार महिला ने सोनू सूद से मदद की गुहार लगाई, जिसका सोनू सूद ने बड़ा जबदस्त जवाब दिया है। महिला ने ट्विटर पर कमैंट करते हुए लिखा, जो मुझे जॉब दे सकता हो, मैं उससे मदद मांगना चाहती हूं। मैं और मेरे पति इस समय हम दोनों ही बेरोजगार हैं। मैं इस कंडीशन में हूं कि अगर मुझे कोई मदद न मिली तो मैं ये सब खत्म करने के लिए कोई कदम उठा लूंगी। मैं मरना नहीं चाहती, प्लीज मेरी मदद करिए. ये कमैंट देखते ही सोनू सूद ने रिएक्ट करते हुए लिखा, कृपया साहस के साथ अपनी लड़ाई लड़ने के लिए बहादुर बनें। ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे हासिल न किया जा सके। बस उस दिशा में शांति के साथ काम करने की जरूरत होती है। जिंदगी अनमोल है डियर, खासकर जो आपसे प्यार करते हैं। जल्द ही आपसे संपर्क करूंगा। बता दें सोनू सूद पिछले तीन महीनों से लगातार प्रवासियों को घर भिजवाने में मदद कर रहे हैं और अब तक वो 20 हजार से भी ज्यादा प्रवासियों को उनके घर पहुंचा चुके हैं।

# स्टार बनने के बाद जिसे बुलाया था शो पर, उसी आयुष्मान को करण के धर्मा प्रोडक्शन ने कहा था-हम सिर्फ स्टार्स के साथ काम करते हैं

**मुंबई।**

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड के बाद भाई भतीजावाद और नेपोटिज्म का मुद्दा काफी गर्म हो गया है। इस समय इंडस्ट्री दो गुटों में बंट चुकी है। रवीना टंडन, कंगना रनौत समेत कई स्टार्स बॉलीवुड का काला सच सामने ला चुके हैं। इसी बीच आयुष्मान खुराना और ताहिरा कश्यप की लिखी किताब क्रेकिंग द कोड-माई जर्नी इन बॉलीवुड का एक स्क्रीनशॉट काफी वायरल हो रहा है। इसमें आयुष्मान खुराना ने लिखा है कि साल 2007 में फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर के स्टाफ ने उन्हें यह कहकर नकार दिया था कि वह बाहरी लोगों के साथ काम नहीं करते। आयुष्मान ने इस किताब में लिखा- उस वक्त वह एक रेडियो जॉकी हुआ करते थे तब करण जौहर पहले फिल्मी हस्ती थे जिनका आयुष्मान ने इंटरव्यू किया था। साल 2007 में एक अवॉर्ड शो के दौरान उन्होंने करण से उनका फोन नंबर भी मांगा था और करण ने अपना लैंडलाइन नंबर दिया था। उन्होंने करण को यह भी बताया था कि वह एक्टर बनना चाहते हैं। आयुष्मान ने किताब में लिखा- जब मैं करण से मिला तब उन्होंने मुझे अपने ऑफिस का लैंडलाइन नंबर दिया। मुझे यहां समझ लेना चाहिए था लेकिन मैं तो बहुत एक्साइटिड था। मैं तो यह सोच रहा था कि मैं उन्हें कितने बजे फोन करूं? मैंने सोचा कि साढ़े 11 बजे फोन करता हूं। तब तक वह शायद अपना नाश्ता भी कर चुके होंगे! मैंने अगले दिन उस नंबर पर फोन किया तो मुझे बताया गया कि करण ऑफिस में नहीं हैं। फिर मैंने अगले दिन फोन किया तो बताया कि वह बहुत बिजी हैं। जब मैंने फिर अगले दिन कॉल किया तो मुझे बोला गया वह सिर्फ स्टार्स के साथ काम करते हैं। मेरे साथ काम नहीं कर सकते। इस कहानी में ट्विस्ट तब आया जब करण जौहर ने साल 2018 में आयुष्मान खुराना को अपने शो कॉफी विद करण में बुलाया। आयुष्मान खुराना ने वहां पर यह कहानी सुनाई। उन्होंने कहा- आपने मुझे अपना लैंडलाइन नंबर दिया था और मैंने जब उस पर फोन किया तो मुझे सीधे-सीधे बोल दिया गया कि हम सिर्फ स्टार्स के साथ काम करते हैं। किसी नए आए हुए एक्टर या बाहरी के साथ काम नहीं करते।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# लद्दाख सीमा विवाद पर भारत के समर्थन में आए दुनिया के कई देश, अलग-थलग पड़ा चीन



**इंटरनेशनल डेस्क(एजेंसी)।**

लद्दाख सीमा विवाद को लेकर भारत और चीन के बीच तनाव चरम पर है । चीन की हिंसक झड़प में अपने 20 जवानों के शहीद होने बाद भारत का गुस्सा सातवें आसमान पर है और दोनों देशों के बीच बिगड़े हालात पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। भारत और चीन के मध्ेय बढ़ते तनाव और सैन्ेय संघर्ष के बीच अब कूटनीतिक लड़ाई भी तेज हो गई है। सैन्ेय संघर्ष को लेकर भारत के संयम और दृष्टिकोण की जहां कई देशों ने सराहना व शहीद जवनों के प्रति अपनी संवेदना जताई है वहीं चीन को उसकी दोगली नीतियों के लिए निशाना बनाया जा रहा है। जी-7 की बैठक में भी दोनों देशों के सैन्ेय संघर्ष का जिक्र करते हुए चीन की कम्ेयुनिस्ट पार्टी पर निशाना साधा गया। अमेरिकी सीनेट में भी कई सीनेटरों ने भारत-चीन सीमा पर संघर्ष के उकसावे को लेकर इसका विरोध किया। यूरोपीय संघ ने भी अप्रत्ेयक्ष रूप से चीन के दृष्टिकोण को लेकर दुनिया का अलर्ट किया है। उसने इस मामले में अमेरिका के साथ सहयोग की पेशकश की है। चीन जहां भारत के पड़ोसी नेपाल और पाकिस्तान को भारत के खिलाफ उकसा रहा है, वहीं अंतरराष्ट्रीय महाशक्तियों की संवेदना भारत के साथ है। अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, मालदीव जैसे देशों ने जिस तरह से चीन के साथ हुए हिंसक झड़प में मारे गए भारतीय सैनिकों के प्रति अपनी शोक संवेदना जताई है। यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है। डोकलाम विवाद के दौरान भी जापान, अमेरिका समेत कुछ दूसरे देशों ने भारत का समर्थन किया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय में उप सचिव डेविड स्टिलवेल भारत-चीन झड़प के बार में कहा कि ऐसा लगता है कि जब दुनिया कोरोना वायरस के साथ लड़ाई में जुटी हुई है और सभी जीवन बचाने में व्यस्त हैं तो ऐसा लगता है कि चीन इस हालात का फायदा उठाने के तौर पर देख रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री माइकल पोम्पिओ ने एक ट्विट किया कि, हम भारत की जनता के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं, जो चीन के साथ हुए झगड़े में मारे गए भारतीयों को लेकर दुखी हैं। हम इन मृतक सैनिकों के परिवारों, उनके चाहने वालों को याद रखेंगे। फ्रांस के राजदूत एमानुएल लेनैन ने ट्विट किया कि पिछले कुछ दिनों के भीतर अपने कर्तव्य का निर्वहण करते हुए जिन भारतीय सैनिकों ने अपनी जान दी है ।

हम उनके परिवार के प्रति और भारत की जनता के प्रति गहराइयों से संवेदना प्रकट करते हैं। जर्मनी के राजदूत वाल्टर जे लिंडनर ने भी लिखा कि गलवन में मारे गए सैनिकों के परिवार के प्रति हमारी संवेदना प्रगट की। मालदीव के विदेश मंत्री अबदुल्ला शाहिद ने मारे गए भारतीय सैनिकों के परिवारों व भारतीय जनता के प्रति हमारी गहरी संवेदना दिखाई।

# केंद्र को गलवान घाटी पर चीन के दावे का जवाब देना चाहिए: शिवसेना



**मुंबई(एजेंसी)।**

शिवसेना की उप नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने शनिवार को कहा कि केंद्र को चीन के इस दावे का जवाब देना चाहिए कि लद्दाख में गलवान घाटी इलाके पर उसकी संप्रभुत्ता है। भारत ने गलवान घाटी पर संप्रभुत्ता के चीनी सेना के दावे के खारिज कर दिया और बीजिंग से अपनी गतिविधियों को वास्तविक नियंत्रण रेखा के अपनी ओर तक सीमित रखने के लिए कहा। इसके बाद चीन के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को दावा किया कि गलवान घाटी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की तरफ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के साथ छह सप्ताह से सीमा पर बने गतिरोध की स्थिति पर शुक्रवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी ने भारतीय क्षेत्र में प्रवेश नहीं किया और ना ही भारतीय चौकियों पर कब्जा किया गया है।

चतुर्वेदी ने ट्विटर पर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल देश को आश्वस्त किया कि चीन ने भारत की किसी चौकी/क्षेत्र पर कब्जा नहीं किया लेकिन यहां चीन गलवान घाटी पर अपना दावा जता रहा है।

हाल ही में राज्यसभा के लिए निर्वाचित चतुर्वेदी ने कहा, यह अस्वीकार्य है और सरकार को इस पर जवाब देने की जरूरत है। क्या हमने गलवान घाटी को सौंप दिया या वहां से पीएलए को खदेड़ दिया? देश जानना चाहता है। गौरतलब है कि सोमवार रात को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में एक कर्नल समेत भारत के 20 सैन्यकर्मी शहीद हो गए। पांच दशकों में यह भारत और चीन के

## भारत-चीन विवाद: मोदी के बयान पर प्रियंका गांधी का कड़ा हमला

**नई दिल्ली।** कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चीनी सेना के भारतीय सीमा में घुसपैठ नहीं करने संबंधी बयान पर हिंदी के मशहूर कवि गोरख पांडे की कविता को उद्धृत करते हुए तीखा हमला किया है। वाड्रा ने कहा कि चीनी सेना को लेकर जो झूठ मोदी जो बोल रहे हैं उनकी पूरी टीम अपने पुराने बयानों की परवाह किये बिना उसी झूठ को दोहरा रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने गोरख पांडे की कविता की ये पंक्तियां उद्धृत की है। इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान को लेकर शनिवार को सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री ने चीन को क्लीन चिट दे दी है। उन्होंने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय सीमा में कोई विदेशी (मतलब चीनी) नहीं है। अगर यह सही है तो पांच-छह मई को क्या हुआ? पिछले दिनों दोनों देशों के सैनिकों के बीच संघर्ष क्यों हुआ? भारत ने अपने 20 जवानों क्यों खोए? पूर्व गृह मंत्री ने यह सवाल भी किया, अगर चीनी सैनिकों ने कोई घुसपैठ नहीं की है तो फिर छह जून को कोर कमांडर स्तर की बैठक क्यों हुई थी? क्या यह बैठक मौसम के बारे में हुई थी? क्या यह बैठक मौसम के बारे में हुई थी? अगर कोई चीनी सैनिक ने एलएसी पार नहीं किया तो फिर विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान में पूर्व यथास्थिति की बहाली की बात क्यों हुई?

## ाकिस्तान ने भारत की सीमा में रेकी करने के लिए भेजा जासूसी ड्रोन, बीएसएफ ने मार गेराया

**जम्मू।** कोरोना काल में भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एलओसी पर पाकिस्तान सेना लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रही है। वहीं आज जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शनिवार को पाकिस्तान के एक ड्रोन को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के एक गश्ती दल ने सुबह करीब पांच बजकर 10 मिनट पर सीमा चौकी पंसार के क्षेत्र में आसमान में एक ड्रोन को मंडराते देखा। उन्होंने बताया कि बीएसएफ जवानों ने नौ गोलियां चलाई और ड्रोन को भारतीय क्षेत्र में 250 मीटर अंदर की ओर मार गिराया। बीएसएफ और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे गए हैं और मामले की छानबीन की जा रही है। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी रेंजर्स ने सुबह करीब आठ बजकर 50 मिनट पर हीरानगर सेक्टर में बबिया चौकी आठ बजकर 50 मिनट पर हीरानगर सेक्टर में बबिया चौकी पर गोलियां चलाईं। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ ने जवाबी कार्रवाई नहीं की। स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है।

# दिग्गी राजा की जीत पर कांग्रेस का तंज- बीजेपी के पांव तले ज़मीन नहीं, कमाल है ! फिर भी उसे...

**भोपाल(एजेंसी)।**

कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह एक बार फिर से जीत हासिल कर राज्यसभा पहुंचे हैं। उन्होंने इस जीत के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल, प्रियंका गांधी व कांग्रेस के उच्च कमान का धन्यवाद किया है। वहीं कांग्रेस ने बीजेपी पर अपनी जीत के लिए तंज कसा है। कांग्रेस का कहना है कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस के 92 विधायक हैं, लेकिन राज्यसभा में कांग्रेस को 93 मत मिले हैं। इस बात को लेकर बीजेपी में हड़कंप है। मध्यप्रदेश से कॉग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में मुझे 54 कॉग्रेस विधायकों ने व 3 अन्य विधायकों ने चुन कर राज्यसभा में पुन: भेजा मैं आभारी हूँ। मैं आभारी हूँ हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया जी राहुल जी व प्रियंका जी का और कॉग्रेस के उच्च कमान का जिन्होंने मुझे इस लायक़ समझा। दिग्विजय सिंह ने ट्वीट में लिखा, मध्यप्रदेश से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में मुझे 54 कांग्रेस विधायकों ने व 3 अन्य विधायकों ने चुन कर राज्यसभा में पुन: भेजा मैं आभारी हूं। मैं आभारी हूं हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया, राहुल, प्रियंका व कांग्रेस के उच्च कमान का जिन्होंने मुझे इस लायक़ समझा। जीत के कुछ देर बाद पूर्व सीएम कमलनाथ ने दिग्गज नेता की जीत पर बधाई दी। बड़ी मात्रा में इकट्ठे होकर दिग्विजय सिंह को मिठाई खिलाकर मुंह मिठा कराया। मॉक पोल ट्रेनिंग के बावजूद दिग्विजय सिंह को 3 वोट अधिक मिले हैं। वोटिंग पर जाने से पहले भी सभी विधायकों को बताया गया था कि उन्हें किसको वोट देना है। ऐसे में दिग्विजय सिंह को 54 की जगह 57 वोट मिलने से तीन और विधायकों ने पार्टी के आलाकमान की बात न मानकर दूसरे प्रत्याशी फूल सिंह बरैया को वोट नहीं किया।

पार्टी में इस बात को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में कांग्रेस के 92 विधायक हैं, लेकिन राज्यसभा में कांग्रेस को 93 मत मिले हैं। इस बात से चर्चाओं का बाजार गर्म हैं। इसे लेकर बीजेपी में हड़कंप की स्थिति है। कांग्रेस ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि भले ही बीजेपी ने दो सीटें जीती हो लेकिन पार्टी को इस बात का मलाल है ।

## ऑनलाईन चुनाव को लेकर वकील बंटे, असंतुष्टों ने किया नई डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन साम्बा का गठन

**साम्बा (एजेंसी)।**

बार एसोसिएशन के गत सप्ताह हुए ऑनलाईन चुनाव को लेकर जिला कोर्ट के वकील दोफाड़ हो गए हैं। बार के एक असंतुष्ट धड़े ने बैठक कर नई समानांतर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन साम्बा का गठन किया और एडवोकेट मुकेश शर्मा को अपना अध्यक्ष चुन लिया। बैठक में सर्वसम्मति से धर्मवीर और संदीप भारती को उपाध्यक्ष, साहिल भारती को महासचिव, अभिनव खनमोत्रा व ज़फीर को संयुक्त सचिव जबकि जनराज सिंह सम्बयाल को कैशियर चुना गया। सनद रहे कि गत सप्ताह ऑनलाईन चुनाव में एडवोकेट के. डी. सिंह ने चुनाव जीतने का दावा किया था। जबकि वरिष्ठ वकीलों के एक धड़े ने चुनाव प्रक्रिया पर असंतोष व्यक्त किया था। आज हुई बैठक में बार के वरिष्ठ सदस्य एडवोकेट सुदर्शन कनमोत्रा, सुभाष सिंह सम्बाल, रविन्द्र शर्मा, सतीश दत्ता, राजीव गुप्ता, के. एल. वर्मा, प्रवीण शर्मा आदि ने भाग लिया और ऑनलाईन वोटिंग की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव अधिकारी एडवोकेट मोहिन्द्र सिंह चाढक़ का रवैया भी भेदभावपूर्ण रहा और तमाम आग्रहों के बाद भी वरिष्ठ सदस्यों की आपत्तियों को नहीं सुना गया जिसके चलते आज इन्होंने नई जिला बार एसोसिएशन साम्बा का गठन किया है। ऑनालाईन चुनाव को अंसवैधानिक, अनैतिक और पारदर्शिता रहित ऑनालाईन चुनाव को अंसवैधानिक, अनैतिक और पारदर्शिता रहित बताते हुए कहा कि अध्यक्ष पद के उम्मीदवार द्वारा चुनाव के बहिष्कार व कई वरिष्ठ सदस्यों के पुरजोर विरोध के बावजूद गलत तरीके से वोटिंग करवाई गई जिससे वकीलों में रोष है।

## आपातकाल के बराबर नहीं है लॉकडाउन : उच्चतम न्यायालय

**नई दिल्ली(एजेंसी)।**

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण को काबू करने के लिए लागू किया गया लॉकडाउन आपातकाल की अधिघोषणा के बराबर नहीं है और निर्धारित समय में आरोप पत्र दाखिल नहीं किए जाने पर आरोपी को जमानत मिलना उसका अपरिहार्य अधिकार है। न्यायालय ने तय समय में आरोप पत्र दायर नहीं किए जाने के बावजूद एक आरोपी को जमानत देने से इनकार करने के मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को दरकिनार करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय का यह मानना स्पष्ट रूप से गलत है और कानून के अनुरूप नहीं है कि लॉकडाउन के दौरान लागू प्रतिबंध आरोपी को जमानत का अधिकार नहीं देते, भले ही आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 167(2) के तहत निर्धारित समय में आरोप पत्र दायर नहीं किया गया हो। न्यायालय ने आपातकाल में एडीएम जबलपुर मामले में अपने आदेश को पीछे की ओर ले जाने वाला करार देते हुए कहा कि कानून की तय प्रक्रिया के बिना जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार छीना नहीं जा सकता। पांच न्यायाधीशों की पीठ ने एडीएम जबलपुर मामले में 4:1 के बहुमत से फैसला सुनाया था कि केवल अनुच्छेद 21 में जीवन और निजी स्वतंत्रता के अधिकारों की बात की गई है और इसे निलंबित किए जाने पर सभी अधिकार छिन जाते हैं। न्यायमूर्ति भूषण की पीठ ने कहा, च्च्हमारा स्पष्ट रूप से यह मानना है कि (उच्च न्यायालय के) न्यायाधीश ने अपने आदेश में यह कहते हुए त्रुटि की कि भारत सरकार ने जिस लॉकडाउन को लागू करने की घोषणा की है, वह आपातकाल लागू करने के समान है। इस पीठ में न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमण्यम भी शामिल थे। पीठ ने दो जमानतों के साथ 10,000 रुपए के निजी मुचलके पर आरोपी की जमानत याचिका स्वीकार कर ली।

# होम आइसोलेशन पर रोक के फैसले पर भड़के केजरीवाल, बोले- इससे दिल्ली में बढ़ेगा कोरोना



**नई दिल्ली/डेस्क(एजेंसी)।**

दिल्ली में होम आइसोलेशन पर रोक लगने के बाद से कोरोना के खिलाफ जंग में एक साथ आई केंद्र और दिल्ली सरकार एक बार फिर आमने सामने आ गई है। दिल्ली सरकार के सभी मंत्री और आम आदमी पार्टी के सभी नेता केंद्र के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि होम आइसोलेशन पर रोक के फैसले से दिल्ली में कोरोना संक्रमण बढ़ेगा। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में पहले से ही स्वास्थ्यकर्मियों, डॉक्टर और नर्सों की कमी है। ये कैसे संभव है कि हजारों मरीजों के लिए एक साथ डॉक्टर और नर्सों का इंतजाम कर दिया जाए। सीएम केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने आइसोलेशन के लिए रेलवे के कोच दे दिए हैं, लेकिन इतनी गर्मी में लोग वहां रहेंगे कैसे? इसके साथ ही सीएम केजरीवाल ने सवाल उठाया है कि जब पूरे देश में आईसीएमआर की गाइडलाइन्स का पालन हो रहा है तो दिल्ली में उसका उल्लंघन कर केंद्र सरकार ने ऐसा फैसला क्यों सुनाया है? उन्होंने कहा कि आईसीएमआर ने पूरे देश में एसिम्पटोमेटिक लोगों के लिए होम आइसोलेशन का प्रावधान किया है। तो इस प्रकार का भेदभाव दिल्ली के साथ क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर लोगों को अनिवार्य रूप से 5 दिन तक क्वारंटाइन केंद्रों में रहना होगा तो वो टेस्ट करवाने से बचेंगे। अगर ऐसा हुआ तो दिल्ली में संक्रमण बढ़ने के खतरा पैदा हो जाएगा। शुक्रवार को केंद्र सरकार के इस आदेश के बाद दिल्ली सरकार ने भी इस फैसले पर केंद्र से एक बार फिर विचार करने को कहा है। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि दिल्ली सरकार की पूरी मैन पावर पहले से ही लगी हुई है। अब हजारों एसिम्प्टोमेटिक लोगों के लिए क्वारंटाइन केंद्रों के रूप में घर बनाने की आवश्यकता होगी। दिल्ली सरकार ने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में दिल्ली सरकार का होम आइसोलेशन कार्यक्रम सबसे सफल कदमों में से एक रहा है। हमने प्रतिदिन निगरानी और परामर्श के माध्यम से अब तक घर पर हजारों हल्के और एसिंप्टोमेटिक लोगों का इलाज किया है। केंद्र सरकार के आईसीएमआर के दिशा निर्देशों के अनुसार होम आइसोलेशन प्रोटोकोल का सख्ती से पालन किया जा रहा है।

## ओछी हरकतों पर उतरा चीन, चाइनीज कंपनी ने निकाले 72 भारतीय मजदूर

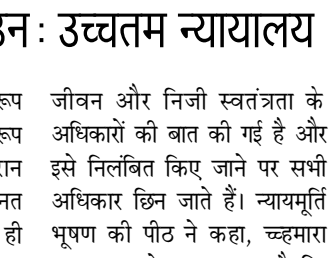



**बालाघाट।** भारत चीन सीमा पर हुई झड़प के बाद बालाघाट में चायनीज कंपनी द्वारा भारतीय मजदूरों से रोजगार छीनने का मामला सामने आया है। कोरोना संकट के बीच बेरोजगार हुए ये मजदूर अब इंसाफ के लिए जिला क्लेक्टर के पास पहुंचे हैं। वहीं दूसरी ओर इस मामले को भारत चीन सीमा पर हुई खूनी झड़प से जोड़ कर देखा जा रहा है और बताया जा रहा है कि रंजिशन भारतीय मजदूरों से रोजगार छीना गया है। अब यह मामला तूल पकड़ता दिखाई दे रहा है। दरअसल बालाघाट जिले में भारत सरकार के उपक्रम मैग्नीज ओर इंडिया लिमिटेड के लिए चाइनीस कंपनी चाइना कोल सीसी-3 कंपनी काम कर रही है। इस चायनीज कंपनी ने 72 भारतीय मजदूरों को काम से निकाल दिया है। ये मजदूर पिछले 1 साल से इस कंपनी के लिए अंडर ग्राउंड शाफ्ट निर्माण का कार्य कर रहे थे। बताया जा रहा है कंपनी ने लॉक डाउन और कोरोना का बहाना बना कर काम बंद होने की बात कह कर इन मजदूरों को बिना कोई सूचना के निकाल दिया। तीन महीने बाद जब एक सप्ताह पहले कंपनी ने दोबारा काम शुरू हुआ तो इन मजदूरों को कोरोना संक्रमण का हवाला देते हुए काम पर वापस रखने से साफ मना कर दिया। रोजगार जाने से परेशान मजदूरों ने इस मामले में कलेक्टर से गुहार लगाई है। कलेक्टर ने इस मसले पर मजदूरों को जल्द से जल्द कोई हल निकालने का आश्वासन दिया है। वही स्थानीय मजदूर संगठनों ने भारत सरकार से चायनीज कम्पनी का कॉन्ट्रैक्ट निरस्त कर भारतीय कम्पनी को कॉन्ट्रेक्ट देने की मांग की है।

## संक्षिप्त समाचार

### अब हवाई रास्ते से आतंकियों के लिए आ रहे हैं हथियार, ड्रोन ने खोली है बेशर्म पाक की पोल

**जम्मू।** पाकिस्तान अपनी हरकतों से किसी भी कीमत पर बाज नहीं आ सकता है। इस बात का सबूत उसने एक बार फिर दिया है। आतंकियों का सरगना देश अब सीमा पार से उनको मद्द भेजने के लिए हवाई रास्ते का इस्तेमाल कर रहा है। कठुआ के पानसर इलाके में पाकिस्तान की तरफ से भेजा गया एक ड्रोन पकड़ा गया है। सीमा सुरक्षाबल के हाथ लगे इस ड्रोन में हथियारों की जखीरा बरामद हुआ है। पकड़े गये ड्रोन में अमरीकी कार्बाइन राइफल और ग्रेनेड मिले हैं। यूएस में बनी एम4 कार्बाइन वो हथियार है जिससे नाटो फोर्सेज ने तालिबान में आपरेशंस किये थे। यह हथियार किसी बड़ी आतंकी साजिश की तरफ इशारा कर रहे हैं क्योंकि मुठभेड़ के दौरान मारे गये आतंकियों से पहले भी ऐसे हथियार मिल चुके हैं। शंका और गहरी तभी हो जाती है कि ड्रोन में सिर्फ कार्बाइन ही नहीं बल्कि सात ग्रेनेड भी हैं। बीएसएफ इसको कब्जे में लेकर इसकी जीपीएस को टरैक करने की कोशिश कर रही है। इससे पता चलेगा कि हथियार कहां भेजे जा रहे थे।

### उड़ी सेक्टर में पाकिस्तान की ताबड़तोड़ गोलाबारी, दो लोग घायल

**श्रीनगर।** नार्थ कश्मीर के उड़ी सेक्टर में पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुये गोलीबारी की। सीमा पार से की गई फायरिंग में शनिवार को दो लोग घायल हो गये। पाकिस्तानी सैनिकों ने उड़ी के नम्बला में ताबड़तोड़ गोलाबारी की है। एसएसपी बारामूला अबदुल कयूम ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीमा पार से बिना उकसावे के गोलीबारी की गई। फायरिंग में अहमद शेख और मकबूल मंगरालल बुरी तरह से घायल हो गये। दोनों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। आपको बता दें कि पाकिस्तान जम्मू में पुंछ सेक्टर और कश्मीर में उड़ी सेक्टर को लगातार निशाना बनाकर गोलीबारी कर रहा है। इस बात की भी जानकारी है कि सीमा पार करीब 300 आतंकी घुसपैंठ की फिराक में हैं। पाकिस्तान गोलीबारी की आड़ में आतंकियों को सीमा पार करवाता है।

### बरसात में पानी में डूब जाएगा मोहल्ला, महिलाओं का नगर परिषद विरुद्ध प्रदर्शन



**कठुआ ।** शहर के वार्ड नं.-12 स्थित मठ मंदिर से सटे मोहल्ले की महिलाओं ने गली के उचित निर्माण की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया है। महिलाओं ने अंतिम छोर तक गली के निर्माण की मांग को लेकर शुक्रवार को प्रदर्शन किया। महिलाओं ने नगर परिषद विरोधी नारेबाजी करते हुए अपनी भड़ास निकाली। प्रदर्शनकारी महिलाओं में अंजली देवी, अनुराधा, अंजू बाला ने कहा कि पिछले करीब अढाई दशकों से इस गली की हालत खराब है। अब गली का निर्माण शुरू तो किया गया है लेकिन निर्माण उचित तरीके से नहीं हो रहा है। अंतिम छोर तक निर्माण न होने के कारण उनकी परेशानियां बढ़ जाएंगी। हालांकि गली का निर्माण अंतिम छोर से शुरू होना चाहिए था ताकि अंतिम छोर से निर्माण के बाद पानी की निकासी सडक़ की ओर हो पाती। परंतु गली का निर्माण अंतिम छोर के बजाय गली की शुरूआत से किया गया लेकिन यह निर्माण पूरा नहीं किया जा रहा जिससे आगामी बरसात के मौसम में अंतिम छोर वाले मोहल्ले के घर पानी निकासी न होने से तालाब का रूप धारण कर लेंगे। पानी की निकासी नहीं होगी और मोहल्ला पानी में डूब जाएगा। उन्होंने कहा कि वे मांग करते हैं कि सही ढंग से गली का निर्माण पूरा किया जाए ताकि पानी की निकासी भी उचित हो और किसी को परेशानी भी न हो। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा न किया गया तो वह यहां काम ही नहीं होने देंगे। क्योंकि यहां गली की बदहाल स्थिति से लोगों की परेशानियां बढ़ रही हैं।

### कोरोना का कहर: इन 3 राज्यों ने उड़ाई नींद, 24 घंटे में आए करीब 10 हजार नए केस

**नई दिल्ली।** देश में कोरोना का खौफ कम होने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड 19) संक्रमण के 14,516 नये मामले सामने आये हैं तथा इस बीमारी से 375 और लोगों की मौत हो गयी जबकि 9120 मरीज रोगमुक्त भी हुए। वहीं अगर कोरोना के बढ़ते ग्राफ पर गौर करें तो 3 राज्यों ने लोगों की नींद उड़ा रखी है। पिछले 24 घंटे में देश में केवल 3 राज्यों में 10 हजार के करीब मामले सामने आए हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में कोरोना के 9079 मामले सामने आए हैं, जबकि देश के अन्य 33 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश को मिलाकर 5437 मामले सामने आए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक कोरोना वायरस के संक्रमण के नये मामलों के साथ कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,95,048 हो गयी है तथा इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर अब 12,948 हो गयी है। दूसरी तरफ इस बीमारी से निजात पाने वालों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है और अब तक कुल 2,13,831 मरीज रोगमुक्त हो चुके हैं। बहरहाल देश में अभी कोरोना संक्रमण के 1,68,269 सक्रिय मामले हैं। कोरोना की महामारी से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के संक्रमण के 3827 मामले दर्ज किये गये और 142 लोगों की मौत हुई। इसके साथ ही राज्य में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,24,331 और मृतकों की संख्या बढ़कर 5893 हो गयी है। इस दौरान राज्य में 1935 रोगमुक्त हुए हैं जिसके बाद स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 62,773 हो गयी है। कोरोना वायरस से प्रभावित होने के मामले में तमिलनाडु दूसरे स्थान पर है, जहां कुल संक्रमितों की संख्या अब 54,449 पर पहुंच गयी है और अब तक इस वायरस से 666 लोगों की मौत हुई है। राज्य में 30,271 लोगों को उपचार के बाद अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है। राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस (कोविड-19) का संक्रमण पिछले 24 घंटों में कहर बनकर टूटा और रिकॉर्ड 3137 नये मामले सामने आने के साथ कुल संक्रमितों का आंकड़ा 53,116 हो गया। इसी अवधि में 66 मरीजों की मौत होने के बाद मृतकों की संख्या 2035 हो गयी। मृतक संख्या के हिसाब से दिल्ली महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# चीन में कोरोना वायरस के 34 नए मामले, डब्ल्यूएचओ को सौंपी गई वायरस की जीनोम श्रंखला

**बीजिंग (एजेंसी)।**

चीन में कोरोना वायरस के 34 नए मामले सामने आए हैं जिनमें से 22 मामले बीजिंग से हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य अधिकारियों ने कोविड-19 संक्रमण के नए मामलों में पाए जाने वाले वायरस की जीनोम श्रंखला विश्व स्वास्थ्य संगठन को सौंप दी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि देश में 34 नए मामले सामने आए हैं जिनमें से सात लोगों में संक्रमण के लक्षण नहीं हैं। बीजिंग में 22 मामले स्थानीय स्तर पर संक्रमित होने के हैं और ऐसा एक मामला हेबेई प्रांत से सामने आया है। आयोग ने कहा कि बिना लक्षण वाले 108 लोगों में से 57 विदेश से आए मरीज हैं। उन्हें चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। बीजिंग में शुक्रवार को कोविड-19 के 22 मामले स्थानीय स्तर पर संक्रमित होने के सामने आए तथा दो मामले बिना लक्षण वाले मरीजों के है। शुक्रवार के अंत तक बीजिंग में घरेलू स्तर पर संक्रमण के 625 मामले आए। इनमें से 411 को स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई तथा नौ लोगों की मौत हो गई। बिना लक्षण वाले 17 मरीजों को अब भी चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। आयोग ने बताया कि चीन में अब तक संक्रमण के कुल 83,352 मामले सामने हैं तथा मृतकों की संख्या 4,634 है। चीनी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने बीजिंग के शिन्फादी थोक बाजार में संक्रमण के नए मामलों से प्राप्त वायरस की जिनोम श्रंखला जारी की है। इसे डब्ल्यूएचओ को भी भेज दिया गया है। चीन के विषाणु विज्ञानियों का आरोप है कि बीजिंग में वायरस का नया प्रकार यूरोप से आया है। 'ग्लोबल टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक महामारी संबंधी शुरुआती सर्वेक्षण में पता चला है कि शिन्फादी थोक बाजार में कोरोना वायरस के जिस प्रकार का पता चला है।

# जोएन एस. बास बनीं अमेरिकी वायुसेना की पहली महिला चीफ मास्टर सार्जेंट

**वाशिंगटन(एजेंसी)।**

चीफ मास्टर सार्जेंट जोएन एस. बास को वायु सेना का 19वां चीफ मास्टर सार्जेंट चुना गया है और इसी के साथ वह किसी अमेरिकी सैन्य सेवा में शीर्ष 'एन्लिस्टिड लीडर' चुनी जाने वाली पहली महिला बन गई हैं। वायुसेना ने चीफ मास्टर सार्जेंट के रूप में किसी महिला का चयन कर इस महीने में दूसरी बार इतिहास रचा है। इससे करीब दो सप्ताह पहले सीनेट ने जनरल चार्ल्स क्यू. ब्राउन की वायु सेना के चीफ ऑफ स्टाफ पद पर नियुक्ति की पुष्टि की थी। ब्राउन अमेरिका की किसी सैन्य सेवा का नेतृत्व करने वाले पहले अश्वेत अधिकारी बन गए हैं। वह अगस्त में कार्यभाल संभालेंगे। अमेरिका सेना में वरिष्ठ पदों पर अपेक्षाकृत बहुत कम महिलाओं को पदोन्नत किया जाता है। अभी तक किसी भी महिला को किसी सैन्य सेवा के चीफ के रूप में सेवाएं देने का मौका नहीं दिया गया है और न ही किसी महिला ने ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के सदस्य के तौर पर सेवाएं दी है। बास सेवा के एन्लिस्टिड (सूचीबद्ध) कर्मियों के कल्याण संबंधी मामलों पर ब्राउन और वायु सेना सचिव बारबरा बैरेट की वरिष्ठ एन्लिस्टिड सलाहकार होंगी। हवाई की रहने वाली बास मिसिसिपी में कील्स्लर वायु सेना अड्डे पर कमांड चीफ मास्टर सार्जेंट के रूप में सेवाएं दे रही हैं। वह 1993 में वायुसेना में भर्ती हुई थी। वायुसेना

ने बास के हवाले से कहा, ''यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है कि मुझे वायु की 19वीं चीफ मास्टर सार्जेंट के तौर पर चुना गया।''

# शोधकर्ताओं का दावा: आंखों में गुलाबीपन हो सकता है कोरोना का शुरुआती लक्षण

**इंटरनेशनल डेस्क(एजेंसी)।**

कोरोना वायरस के लक्षणों को लेकर एक रिसर्च में नया दावा किया गया है। कनाडा के जर्नल ऑफ ऑप्थलमोलॉजी में प्रकाशित नए अध्ययन के मुताबिक, कंजक्टिवाइटिस यानी कंजक्टिवा में सूजन और आंखों का गुलाबी होना और केरटोकंजक्टिवाइटिस यानी कॉर्निया में सूजन और आंखों का लाल होना, पानी आना भी कोरोना का लक्षण हो सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि अल्बर्टा स्थित रॉयल एलेक्जेंड्रा अस्पताल नेत्र रोग संस्थान में एक महिला गंभीर कंजक्टिवाइटिस और सांस में लेने में तकलीफ की शिकायत के साथ पहुंची थी। कई दिन के इलाज के बाद उसकी हालत में हल्का सुधार हुआ। इस दौरान पता चला कि महिला हाल ही में एशिया से लौटी थी। इसके बाद जब महिला की कोरोना की जांच की गई तो उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ अल्बर्टा के सहायक प्रोफेसर कार्लोस सोलार्टे के अनुसार इस केस में दिलचस्प बात यह रही कि इसमें मुख्य बीमारी सांस लेने में तकलीफ नहीं, बल्कि आंख की बीमारी थी। महिला को बुखार, खांसी या अन्य लक्षण नहीं थे इसलिए शुरुआत में कोरोना को लेकर कोई संदेह नहीं हुआ। शोधकर्ताओं ने कहा कि अध्ययन से लोगों के लिए यह अहम जानकारी पता चली है। हालांकि, कोरोना संक्रमित महिला ठीक हो चुकी है लेकिन उसके संपर्क में आने वाले कई डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों को क्वारंटीन में जाना पड़ा।

# प्रदर्शनकारियों ने वाशिंगटन स्थित कॉन्फेडरेट जनरल की मूर्ति हटाई

**वाशिंगटन(एजेंसी)।**

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में स्थापित एक कॉन्फेडरेट जनरल की प्रतिमा को प्रदर्शनकारियों ने तोड़कर आग के हवाले कर दिया। यह घटना 19 जून को हुई जिस दिन को अमेरिका में दास प्रथा के अंत के रूप में मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि मिनियापोलिस में काले व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद अमेरिका में नस्लवाद विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं और इस बीच यह घटना हई है। ग्रेनाइट के बने मंच पर स्थापित 11 फुट की अलबर्ट पाइक की प्रतिमा को जंजीर से बांध कर गिराया गया और मूर्ति गिरने पर प्रदर्शनकारियों ने उसपर कूद-कूद कर अपनी खुशी का इजहार किया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने खंडित मूर्ति के चारों ओर लकड़ी रख उसमें आग लगा दी।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने ''न्याय नहीं तो शांति नहीं'' और ''नस्लवादी पुलिस नहीं चाहिए'' के नारे लगाए। इस बीच चश्मदीदों ने पूरी घटना का वीडियो बना सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इस बीच चश्मदीदों ने पूरी घटना का वीडियो बना सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस घटनास्थल पर मौजूद थी लेकिन उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घटना पर ट्वीट कर वाशिंगटन डीसी के महापौर को हटाने की मांग की। उन्होंने कहा, '' वाशिंगटन की पुलिस अपना काम नहीं कर रही है वह मूर्ति को गिराते और जलाते हुए दिख रही है।'' हालांकि,, मूर्ति को गिराने के बाद प्रदर्शनकारी शांतिपूर्वक तरीके से व्हाइट हाउस के नजदीक स्थित लफायेट्टे पार्क चले गए। एपी धीरज प्रशांत प्रशांत 2006 1614 वाशिंगटन

## संक्षिप्त समाचार

### उत्तरी कैरोलिना में प्रदर्शनकारियों ने 'कन्फेडरेट स्मारक' की प्रतिमा उतार खंभे से लटकाई

**इंटरनेशनल डेस्क।** अमेरिका में जार्ज फ्लायड की मौत को लेकर लोगों का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। कई ऐतिहासिक स्मारकों को नुकसान पहुंचाने के बाद अब उत्तरी कैरोलिना की राजधानी में प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार रात एक कन्फेडरेट स्मारक से एक प्रतिमा निकाल कर उसे बिजली के खंभे से लटका दिया। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने रेलीग में कन्फेडरेट स्मारक से दो कन्फेडरेट सैनिकों की प्रतिमा गिरा दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अमेरिका में 18वीं शताब्दी के उतरार्ध में उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के बीच गृहयुद्ध हुआ था। दक्षिणी राज्य को उस समय 'कन्फेडरेट स्टेट्स ऑफ अमेरिका' के तौर पर जाना जाता था। वो चाहते थे कि दक्षिणी राज्यों में नस्लभेद बरकरार रहे जबकि उत्तर राज्य इन राज्यों को दास प्रथा से मुक्ति दिलाने के लिये प्रयासरत थे। हाल में श्वेत पुलिस अधिकारी के हाथों जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद नस्लभेद का मुद्दा फिर सुर्खियों में है और ऐसे में लोग कन्फेडरेट की धरोहरों के खिलाफ गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने इससे पहले रस्सियों द्वारा इन प्रतिमाओं को गिराने के प्रदर्शनकारियों के प्रयासों को नाकाम कर दिया था। अधिकारी जब इलाके से चले गए तब प्रदर्शनकारी स्मारक स्तंभ पर चढ़ गए और इन प्रतिमाओं को गिरा दिया।'न्यूज एंड ऑब्जर्वर' के मुताबिक प्रदर्शनकारी इसके बाद इन प्रतिमाओं को घसीटकर सड़क तक ले गए और वहां बिजली के खंभे से एक प्रतिमा को लटका दिया। दूसरी प्रतिमा के बारे में बताया जाता है कि उसे घसीट कर वेक काउंटी के इलाके में ले जाया गया। इससे पहले पुलिस बर्बरता के विरोध में सैकड़ों प्रदर्शनकारी रेलीग और डरहम में मार्च में शामिल हुए।

### भारतीय-अमेरिकी उद्यमी खालसा अमेरिका में प्रदर्शनकारियों को 10 लाख डॉलर के मास्क करेंगे वितरित

**वाशिंगटन।** जाने-माने भारतीय-अमेरिकी परोपकारी एवं उद्यमी गुरिंदर सिंह खालसा ने जूनटीन्थ के अवसर पर घोषणा की कि वह अफ्रीकी-अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में मौत के बाद पुलिस की बर्बरता के खिलाफ अमेरिका में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों को 10 लाख डॉलर के मास्क एवं रक्षात्मक शील्ड दान करेंगे। प्रतिष्ठित रोजा पार्क्स ट्रेलब्लेजर पुरस्कार से सम्मानित इंडियाना के रहने वाले खालसा ने कहा, ''यदि हम घृणा एवं हिंसा की जगह प्रेम एवं करूणा फैलाना चाहते हैं तो हमें अमेरिका की असल तस्वीर पेश करने की आवश्यकता है।'' खालसा ने कहा कि मास्क और रक्षात्मक शील्ड दान करना न्याय की मांग कर रहे और पुलिस की बर्बरता समाप्त करने के लिए संघर्ष कर रहे लोगों की मदद करने का एक छोटा प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उन्होंने जूनटीन्थ मनाने का यह फैसला पुलिस सुधार की मांग कर रहे राष्ट्रीय आंदोलन को खालसा ने हर अमेरिकी से अनुरोध किया कि वह मार्टिन लूथर किंग जूनियर और महात्मा गांधी जैसे नेताओं के दिखाए शांतिपूर्ण प्रदर्शन के मार्ग पर चलकर इस मुहिम का हिस्सा बनें।

# पाक के विदेश मंत्री कुरैशी ने पीर बाबा बनकर काटे महिलाओं के बाल

**पेशावर(एजेंसी)।**

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान हो या विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी अपने विवादित बयानों और हरकततों के लिए सोशल मीडिया पर ट्रोल होते रहते हैं। इस बार विदेश मंत्री एक बार फिर अपनी एक अजीब हरकत के कारण सुर्खियां बटोर रहे हैं। कुरैशी ने पिछले दिनों पीर बाबा बनकर मुल्तान में अपने घर पर महिलाओं के बाल काटे और बदले में उनसे सोना, चांदी और रुपए लिए। कुरैशी द्वारा महिलाओं के बाल काटने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कुछ यूजर्स जहां उनका मजाक उड़ा रहे हैं वहीं कुछ उनके बर्ताव पर हैरानी जताते हुए आलोचना कर रहे हैं। वायरल हो रहे वीडियो में कुरैशी को महिलाओं और लड़कियों के बाल काटते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि महिलाएं कुरैशी के प्रति निष्ठा दिखाने को मजबूर हैं और दबाव में बाल कटवा रही हैं। इतना ही नहीं उन्हें मजबूरी में कुरैशी को पैसा और सोना भी देना पड़ा। धर्म के नाम पर महिलाओं को इस तरह लूटना पूरे पाकिस्तान में चर्चा का विषय बना हुआ है। विदेश मंत्री के पीर बाबा बनकर ढोंग रचने की तीखी आलोचना की जा रही है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि विदेश मंत्री मुल्तान में पिछले कई दशकों से पीर मुरीदी सिस्टम चला रहे हैं। उन्होंने मुल्तान के लोगों के प्रति स्वामी भक्ति की शपथ ली हुई है और खुद को पीर बताते हैं। माना

जाता है कि महिलाओं के बाल कटवाने से पुराने गुनाहों का प्रायश्चित हो जाता है। एक बार ऐसा होने पर शपथ लेने व्यक्ति को मुरीद कहा जाता है। उर्स के मौके पर शाह जवान लड़कियों और महिलाओं को अपनी पार्टी में शामिल करने के लिए ।

### राष्ट्रीय विज्ञान संगठन के प्रमुख के तौर पर भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक के नाम की सीनेट ने की पुष्टि

**वाशिंगटन।** अमेरिकी सीनेट ने विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के गैर-चिकित्सा क्षेत्र में मौलिक अनुसंधान को समर्थन देने वाली अमेरिका की शीर्ष संस्था 'राष्ट्रीय विज्ञान न्यास' (एनएसएफ) के निदेशक के तौर पर जाने-माने भारतीय अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ. सेतुरमन पंचनाथन के नाम की पुष्टि की है। एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी के पंचनाथन (58) एनएसएफ का नेतृत्व करेंगे। एनएसएफ विज्ञान के क्षेत्र में निधि प्रदान करने वाली शीर्ष अमेरिकी संस्था है, जिसका सालाना बजट 7.4 अरब डॉलर है। पंचनाथन को उनके मित्र एवं परिवार के लोग ''पंच'' के नाम से संबोधित करते हैं। उन्हें ऐसे परिवर्तनकारी नेता के रूप में जाना जाता है, जिनके मानवता केंद्रित प्रयासों से वैश्विक स्तर पर सकारात्मक बदलाव आए हैं। अमेरिकी सीनेट में शुक्रवार को सर्वसम्मति से उनके नाम की पुष्टि की गई। इससे पता चलता है कि शीर्ष वैज्ञानिक के तौर पर वह कितने लोकप्रिय हैं। एनएसएफ की मौजूदा निदेशक फ्रांस कॉरडोवा का छह साल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। पंचनाथन छह जुलाई को निदेशक के तौर पर कार्यभार संभालेंगे। वह एनएसएफ के निदेशक के तौर पर चुने गए दूसरे भारतीय-अमेरिकी हैं। इससे पहले भारतीय-अमेरिकी डॉ. सुब्रा सुरेश अक्टूबर 2010 से मार्च 2013 तक यह जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

# पाक में चीनी कंपनियों को 40 साल टैक्स छूट पर उठे सवाल, इमरान बोले-यह सीक्रेट डील

**इस्लामाबाद(एजेंसी)।**

चीन के साथ दोस्ती को लेकर पाकिस्तान एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। चीन के साथ हुई ग्वादर पोर्ट डील को लेकर प्रधानमंत्री इमरान खान पर अपने ही देश में उंगलियां उठ रही हैं। वित्तीय मामलों को लेकर गठित संसदीय समिति ने जब इमरान खान से ग्वादर पोर्ट को लेकर चीनी कंपनियों को 40 साल तक टैक्स से छूट देने पर सवाल किया तो इमरान ने इसे सीक्रेट डील बताया। इमरान खान ने कहा कि यह चीन के साथ सीक्रेट साइन की गई थी इसलिए इससे संबंधिक किसी भी दस्तावेज को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है। दरअसल इस बात का खुलासा तब हुआ जब सीनेटर फारुख हामिद की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति ने टैक्स कलेक्शन को लेकर पाकिस्तान सरकार से रिपोर्ट मांगी । इस दौरान समिति को जांच में पता चला कि ग्वादर पोर्ट से जुड़ी चीन की कंपनियों को 40 साल तक टैक्स देने से छूट दी गई है। इसी को लेकर समिति ने इमरान सरकार से जवाब तलब किया था। रिपोर्ट के अनुसार ग्वादर पोर्ट डील में चीनी कंपनियों को सीधे तौर पर फायदा है जबकि पाकिस्तान को टैक्स न मिलने के कारण 40 साल तक नुकसान उठाना पड़ेगा। इतना ही नहीं ये कंपनियां जिन छोटे कंपनियों के साथ कॉन्ट्रेक्ट करेंगी उन्हें भी 40 साल तक टैक्स नहीं देना होगा। उधर, अरब सागर के किनारे पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में चीन ग्वादर पोर्ट का निर्माण चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना के तहत कर रहा है और इसे पेइचिंग की महत्वाकांक्षी वन बेल्ट, वन रोड (ओबीओआर) तथा मेरिटाइम सिल्क रोड प्रॉजेक्ट्स के बीच एक कड़ी माना जा रहा है। ग्वादर पोर्ट के जरिए चीन के सामान आसानी से अरब सागर तक पहुंच जाएंगे। लेकिन तनाव बढ़ने की स्थिति में पेइचिंग इसका इस्तेमाल भारत और अमेरिका के खिलाफ सैन्य और रणनीतिक उद्देश्यों के लिए भी कर सकता है। बता दें कि चीन वन बेल्ट के तहत पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह को 80 करोड़ डॉलर की आनुमानित लागत से विकास कर रहा है। चीन के अधिकारी भले ही बार-बार कहते रहे हैं कि ग्वादर बंदरगाह और का उद्देश्य पूरी तरह से आर्थिक और व्यावसायिक हैं, लेकिन इसके पीछे चीन की असल मंशा सैन्य प्रभुत्व बढ़ाना है। सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि चीन ग्वादर का इस्तेमाल अपने नौसेना बेस के तौर पर कर सकता है।

### अमेरिकी सीनेट ने भारतीय मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक की एनएसएफ निदेशक के रूप में नियुक्ति पर मुहर लगायी

**वाशिंगटन।** अमेरिकी सीनेट ने भारतीय मूल के मशहूर अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ. सेतुरमन पंचनाथन की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के गैर चिकित्सा क्षेत्र में मौलिक अनुसंधान को सहयोग पहुंचाने वाले शीर्ष अमेरिकी संगठन राष्ट्रीय विज्ञान न्यास (एनएसएफ) के निदेशक के रूप में नियुक्ति पर मुहर लगायी है। एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी के 58 वर्षीय वैज्ञानिक पंचनाथन की अगुवाई करेंगे। एनएसएफ शीर्ष अमेरिकी विज्ञान वित्तपोषण निकाय है जिसका वार्षिक बजट 7.4 अरब डालर बजट है। अपने दोस्तों एवं परिवार के बीच 'पंच' नाम से चर्चित सेतुरमन एक ऐसे बदलावकारी नेता समझे जाते हैं जिनके मानव केंद्रित प्रयास से वैश्विक स्तर पर सकारात्मक बदलाव आये हैं। शुक्रवार को तीक्ष्ण राजनीतिक विभाजन के बावजूद अमेरिकी सीनेट ने सर्वसम्मति से उनकी नियुक्ति की पुष्टि की जो वर्तमान कांग्रेस में एक दुर्लभ घटना है। यह शीर्ष वैज्ञानिक के रूप में उनकी लोकप्रियता का भी परिचायक है। वाकई, उनके नामांकन प्रक्रिया को सीनेट ने तेजी से कार्रवाई की है। वह फ्रासं कोरडोवा की जगह लगेंगे जिनका एनएसएफ के 15 वें निदेशक के रूप में छह साल का कार्यकाल मार्च में समाप्त हुआ था। उम्मीद की जा रही है कि वह छह जुलाई को पदभार ग्रहण करेंगे। पंचनाथन की वेबसाइट के अनुसार उन्होंने कहा, '' मेरा निजी मिशन ऐसे जीवन-बदलावकारी नवोन्मेषों से मानवता को प्रेरणा देना, सशक्त बनाना और उसकी सेवा करना है जिनमें इस बात में बदलाव लाने की क्षमता है कि हम वैश्विक स्तर पर कैसे विभिन्न क्षमताओं को देखते हैं। वह इस प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पद के लिए नामित होने वाले भारतीय मूल के अमेरिकी हैं।

# महामारी के बीच तुलसा में रैली से अपने प्रचार अभियान को फिर गति देने पर ट्रंप की नजर

**वाशिंगटन(एजेंसी)।**

महामारी के कारण पिछले कुछ महीनों से ठंडे पड़े अपने चुनाव अभियान को फिर से गति देने और हाल के दिनों में अपनी सियासी लोकप्रियता में आती कमी को दूर करने के लिये अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शनिवार को एक रैली को संबोधित करने जा रहे हैं जिसमें उनके हजारों कट्टर समर्थक शामिल होंगे। अमेरिका में कोरोना वायरस की वजह से बड़ी संख्या में लोगों के एक जगह जुटने पर मार्च से लगी रोक के बाद इस रैली को सबसे बड़े इंडोर कार्यक्रमों में से एक के तौर पर देखा जा रहा है। कई राज्यों में कोविड-19 के बढ़ते मामलों और स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों के विरोध के बीच ट्रंप की इस रैली का कार्यक्रम तय किया गया है। इस कार्यक्रम के विरोधियों के भी वहां जुटने की उम्मीद है। देश में दो मार्च को बेरोजगारी दर 3.5 प्रतिशत थी और उस समय अमेरिका में कोरोना वायरस के अनुमानित मामले महज 91 थे। ट्रंप ने घोषणा की थी, हमारा देश पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है। हालात अब बदले हुए हैं। नवीनतम मासिक रिपोर्ट के मुताबिक बेरोजगारी दर अब 13.3 प्रतिशत है। वहीं, कोरोना वायरस संक्रमण के मामले में तो अमेरिका ने सबको पीछे छोड़ दिया जहां अब तक करीब 22 लाख मामले सामने आ चुके हैं। अमेरिका में एक लाख 19 हजार से ज्यादा लोगों की जान इस महामारी से जा चुकी है जॉर्ज फ्लॉयड और अन्य अफ्रीकी अमेरिकियों की मौत के बाद अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार को लेकर आपराधिक न्याय प्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं और देश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं। महज एक चौथाई अमेरिकियों का कहना है कि देश सही दिशा में बढ़ रहा है। ट्रंप जानते हैं कि दांव पर क्या लगा है और ऐसे में वह अपने खास तरह के प्रचार अभियान के साथ वापसी को लेकर संकल्पित हैं। उन्होंने उन शिकायतों को खारिज कर दिया कि बंद परिसर में होने वाली इस रैली से कोरोना वायरस के प्रसार का जोखिम है और कहा कि यह और कुछ नहीं सिर्फ राजनीति है। ट्रंप ने शुक्रवार को ट्वीट किया, तुलसा में भारी भीड़ और कतारें अभी से नजर आ रही हैं। मेरा प्रचार अभियान अभी शुरू भी नहीं हुआ है। यह शनिवार रात को ओक्लाहोमा में शुरू होगा। ट्रंप के दौरे के दौरान उनके विरोधियों और समर्थकों के बीच झड़प की आशंका भी है। अधिकारियों को तुलसा में एक लाख से ज्यादा लोगों के जुटने की उम्मीद है। ट्रंप बीओके सेंटर के अंदर और बाहर बने एक मंच से भी भाषण देंगे। उन्हें सुनने वालों में यहां के अलावा पेन्सिल्वेनिया, उत्तरी कैरोलिना और फ्लोरिडा जैसे राज्यों के मतदाता भी होंगे जहां उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

### मुंबई हमला: प्रत्यर्पण के भारत के अनुरोध पर अमेरिका ने किया तहव्वुर राणा को पुन: गिरफ्तार

**वाशिंगटन ।** मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के मामले में पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा को प्रत्यर्पित किए जाने के भारत के अनुरोध पर राणा को लॉस एंजिलिस में पुन: गिरफ्तार किया गया। (59) को अनुकंपा के आधार पर हाल में जेल से रिहा किया गया था। उसने अदालत को बताया था कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है। इसके बाद उसे रिहा कर दिया गया था। अभियोजकों ने बताया कि भारत ने उसे प्रत्यर्पित करने का अनुरोध किया था। इसके बाद उसे 10 जून को फिर से गिरफ्तार किया गया। भारत में राणा को भगोड़ा घोषित किया गया है। मुंबई में हुए आतंकी हमलों में 166 लोग मारे गए थे। अमेरिका के सहायक अटॉर्नी जॉन जे लुलेजियान ने अदालत को बताया कि भारत सरकार ने 1997 के द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को प्रत्यर्पित करने के लिए उसे गिरफ्तार किए जाने का अनुरोध किया था। लुलेजियान ने बताया कि भारत ने अमेरिका को सूचित किया कि राणा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 और धारा 120 बी समेत कई धाराओं के तहत अभियोग चल रहा है। राणा पर आरोप है कि उसने फर्जी दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिपोर्ट का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी करने का षड्यंत्र रचा। उसे 11 जून को अदालत में पेश किया गया। कैलिफोर्निया सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की अमेरिका डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में न्यायाधीश जैक्लीन चूलजियान ने राणा के खिलाफ मामला लंबित रहने तक उसे रिहा करने या नहीं करने के मामले पर सुनवाई के लिए 30 जून की तारीख तय की है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# स्वास्थ्य सचिव जयंती रवि ने सूरत का दौरा किया, बढ़ रहे केस को रोकने के लिए सकारात्मक कदम उठाए के सूचना दिया.

**क्रांति समय** स्वास्थ्य सचिव जयंती रवि ने शनिवार को सूरत का दौरा किया। उन्होंने जिला कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त के साथ बैठक की और संकेत दिया कि यह कोरोना महामारी के खिलाफ एक रणनीति पर काम कर रहे हैं। सूरत नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। वर्तमान में, राज्य के स्वास्थ्य सचिव सूरत में कोरोना के बढ़ रहे केस की समीक्षा कर रहे हैं। सूरत शहर और जिले में 3300 से अधिक कोरोना पॉजिटिव हैं और रोजाना औसतन 60 से 70 पॉजिटिव कोरोना केस दर्ज किए जा रहे हैं। जिसने बढ़ रहे केस को रोकने के लिए सकारात्मक कदम उठाने का सुझाव दिया।

## गुजरात में कोरोना के 539 नए केस और 535 लोग स्वस्थ हुए, 20 की मौत

अहमदाबाद, गुजरात में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना पॉजिटिव के 539 नए मामले सामने आए हैं और 20 मरीजों की मौत हो गई! जबकि 535 लोग ठीक भी हुए हैं!

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 539 नए केसों में सबसे अधिक कोरोना के 306 मामले इकलौते अहमदाबाद में दर्ज हुए हैं!

जबकि सूरत में 103, वडोदरा में 43, भरुच में 12, भावनगर में 9, गांधीनगर और नर्मदा में 8–8, जामनगर में 7, मेहसाणा, राजकोट, आणंद, सुरेन्द्रनगर और अमरेली में 4–4, बनासकांठा, अरवल्ली, पाटन और नवसारी में 3–3, महीसागर, खेडा और वलसाड में 2–2, पंचमहल, कच्छ, बोटाद, देवभूमि द्वारका और मोरबी में 1–1 समेत राज्य में कुल 539 नए मामले सामने आए हैं!

इस इस दौरान अहमदाबाद में 16 और सूरत में 4 मरीजों की कोरोना की मौत हो गई!

पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में 418, सूरत में 52, वडोदरा में 50, बनासकांठा में 4, अमरेली में 2, पंचमहल में 5, पाटन में 2, गांधीनगर में 4, बोटाद में 1, साबरकांठा में 3, जूनागढ़ में 2, राजकोट में 5, भावनगर में 4, दाहोद में 1, सुरेन्द्रनगर में 5, अरवल्ली में 3, कच्छ में 3 और गिर सोमनाथ में 1 समेत राज्य में 535 मरीज कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं!

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक 319414 टेस्ट किए गए हैं, जिसमें 26737 पॉजिटिव केस दर्ज हुए!

26737 में से 18702 लोग अब तक राज्य में स्वस्थ हो चुके हैं!

जबकि 1639 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई!

फिलहाल गुजरात में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 6396 है, जिसमें 6330 मरीजों की हालत स्थिर है और 66 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं! आज की तारीख में गुजरात में 219911 लोग कोरन्टाइन हैं! जिसमें 215875 होम कोरन्टाइन और 4036 लोग फैसिलिटी कोरन्टान में हैं!

# अहमदाबाद में रथयात्रा का फैसला हाईकोर्ट के फैसले पर निर्भर

**क्रांति समय**

अहमदाबाद में 143वीं रथयात्रा के आयोजन गुजरात हाईकोर्ट के फैसले निर्भर है! सोमवार को गुजरात हाईकोर्ट इस मामले पर सुनवाई करेगी और उसके फैसले के बाद सरकार कोई निर्णय लेगीद्य बता दें कि अहमदाबाद में रथयात्रा के आयोजन पर रोक लगाने की मांग करती जनहित याचिका गुजरात हाईकोर्ट में दाखिल की गई है!

इस याचिका पर गुजरात हाईकोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगी! रथयात्रा के आयोजन के फैसले से पहले गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने मुख्यमंत्री आवास पर विजय रूपाणी के साथ बैठक कर इस संदर्भ में महत्वपूर्ण चर्चा की! इससे पहले गृह राज्यमंत्री हाईकोर्ट में दाखिल जनहित याचिका और सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुरी की रथयात्रा पर लगाई गई रोक का उल्लेख कर प्रतीक्षा करने को कहा था!

हाईकोर्ट में दाखिल जनहित याचिका पर सोमवार को फैसला होना है और उसी फैसले पर रथयात्रा का आयोजन निर्भर है! रथयात्रा को लेकर असमंजस की स्थिति के बीच अमहदाबाद के जमालपुर स्थित

भगवान जगन्नाथजी के मंदिर में रथयात्रा की तैयारियां शुरू हो गई हैं!

फिलहाल भगवान जगन्नाथजी शहर के सरसपुर स्थित अपने ननिहाल में हैं और वहां से सायंकाल निज मंदिर लौटेंगे! रविवार को सूर्यग्रहण होने की वजह से सायंकाल ही नेत्रोत्सव विधि की जाएगी!

# सूरत की कंपनी ने चाइनीज कंपनी के साथ 11 साल पुराना करार किया रद्द

**क्रांति समय**

सूरत, लद्दाख में गलवान घाटी में 20 भारतीय जवानों की शहादत को लेकर देशभर में चीन के खिलाफ जबर्दस्त आक्रोश है और लोग चाइनीज उत्पादों का बहिष्कार कर रहे हैं!

गुजरात समेत देश के विभिन्न शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए हैं चाइनीज वस्तुओं को फूंक रहे हैं!

सोशल मीडिया पर भी चीन में बनी वस्तुओं को बहिष्कार करने का अभियान तेज हो गया है! सूरत की एक कंपनी ने चीन की अली. बाबा.कॉम के साथ 11 साल पुराना करार रद्द कर दिया है! सूरत के सचिन क्षेत्र के सेज स्थित कालिका इंटनेशनल कंपनी ने चीन के साथ व्यापार करने से इंकार से करते हुए कोन्ट्रेक्ट रद्द कर दिया है!

करोड़ों के टर्नऑवर वाली सूरत की इस कंपनी को फर्स्ट कस्टमर होने के नाते 11 वर्ष से गोल्डन सप्लाई के तौर पर कंपनी का दर्जा मिला था!

इसके बावजूद कंपनी ने भारतीय सैनिकों को मारने वाले चीन से कोई व्यापार नहीं करने का फैसला किया है!

कंपनी का कहना है कि व्यापार में नुकसान बर्दाश्त कर लेंगे, लेकिन देश के खिलाफ कोई साजिश बर्दाश्त नहीं की जा सकती!

इसके लिए चाइनीज प्रोडक्ट का बहिष्कार ही अंतिम विकल्प है! कंपनी ने देश के सभी उद्योगकारों और व्यापारियों से भी चीन के साथ व्यापार बंद करने और भारत को मजबूत करने की अपील की है!

# सोलर रूफटॉप प्लांट की स्थापना में गुजरात पूरे देश में अव्वल

## 19 जून, 2020 तक गुजरात में कुल 110029 घरों की छत पर लगे सोलर रूफटॉप प्लांट

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के नेतृत्व में राज्य सरकार सौर ऊर्जा के अधिकतम उत्पादन और इस्तेमाल के जरिए गुजरात को स्वच्छ और हरित ऊर्जा का हब बनाने को प्रतिबद्ध है।

इसी प्रतिबद्धता का नतीजा है कि गुजरात पूरे देश में सोलर रूफटॉप प्लांट (छत आधारित सौर ऊर्जा संयंत्र) स्थापित करने के मामले में अव्वल स्थान पर रहा है।

55630 सोलर रूफटॉप सिस्टम में से 208 मेगावाट के संयंत्र सिर्फ 9 महीने की अल्पावधि में ही लगाकर गुजरात ने उल्लेखनीय उपलब्धि भी हासिल की है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार 31 मई, 2020 तक कुल 558.17 मेगावाट क्षमता के सोलर रूफटॉप संयंत्र गुजरात राज्य में स्थापित हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में प्रदूषण रहित स्वच्छ ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग के संकल्प के साथ देश में वर्ष 2022 तक 1 लाख 75 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में गुजरात नेतृत्व करने को तैयार है।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य में घरेलू उपयोग के लिए भी लोग सौर ऊर्जा का महत्तम उपयोग करें उसके लिए सूर्य ऊर्जा रूफटॉप योजना–गुजरात 'सूर्य गुजरात' सोलर रूफटॉप योजना घोषित कर 2022 तक 8 लाख रिहायशी बिजली उपभोक्ताओं को इस योजना में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। इस योजना की

सब्सिडी की राशि में भी बढ़ोतरी की गई है।

अब 3 किलोवाट तक की क्षमता वाले सोलर प्लांट पर 40 फीसदी तथा 3 किलोवाट से अधिक और 10 किलोवाट तक की क्षमता वाले प्लांट पर 20 फीसदी की सब्सिडी सरकार प्रदान करती है। राज्य सरकार ने इसके लिए वर्ष 2020–21 के हालिया बजट में भी 912 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। खास बात यह है कि सोलर रूफटॉप से उत्पन्न हुई और घरेलू इस्तेमाल के बाद बची अतिरिक्त बिजली को संबंधित विद्युत वितरण कंपनी 2.25 रुपए प्रति यूनिट की दर पर खरीदती भी है।

राज्य सरकार के उपक्रम गुजरात ऊर्जा विकास निगम (जीयूवीएनएल) और अन्य विद्युत वितरण कंपनियों की सक्रियता के चलते 19 जून, 2020 तक सूर्य गुजरात योजना के अंतर्गत सोलर रूफटॉप के लिए 1.28 लाख से अधिक आवेदन ऑनलाइन पोर्टल पर मिल चुके हैं।

जीयूवीएनएल द्वारा शुरू किए गए विभिन्न आउटरिच प्रोग्राम और प्रशिक्षण गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में ऐसे आवेदन प्राप्त हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित करने के मामले में चोटी पर मौजूद गुजरात के बाद 266.82 मेगावाट क्षमता के साथ राजस्थान दूसरे नंबर पर, 245.50 मेगावाट के साथ महाराष्ट्र तीसरे क्रम पर, 232.77 मेगावाट के साथ कर्नाटक चौथे, 156.20 मेगावाट के साथ दिल्ली पांचवे, 156 मेगावट के साथ तमिलनाडू छठे, 146.10 मेगावाट के साथ उत्तर प्रदेश सातवें,

121.34 मेगावाट के साथ हरियाणा आठवें, 118.52 मेगावाट के साथ पंजाब नवें और 118.22 मेगावाट के साथ तेलंगाना दसवें स्थान पर है।

# प्रेमी युगल ने कुएं कूदकर जान दी

पंचमहल, जिले के गांगडिया गांव में एक प्रेमी युगल ने कुएं में कूदकर जान दे दीद्य प्रेमी युगल दो दिन से लापता था ओर दोनों के शव कुएं से बरामद किए गएद्य जानकारी के मुताबिक पंचमहल जिले की शहेरा तहसील के गांगडिया गांव निवासी विपुल और सेजल एक ही मुहल्ले में रहते थे और एक–दूजे के प्यार करते थेद्य लेकिन समाज हमें एक नहीं होने देगा,

इस आशंका चलते दोनों दो दिन पहले गांव से फरार हो गएद्य सेजल के लापता होने परिवार ने उसकी खोजबीन शुरू कीद्य इस दौरान उसे पता चला कि विपुल नामक युवक भी गायब है!

जिसके बाद बीते गांव के लोगों ने बैठक की और दोनों की तलाश शुरू कर दीद्य तलाश के दौरान 800 मीटर दूर कुएं में विपुल और सेजल का शव तैर रहा था!

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और स्थानीय युवकों की मदद से प्रेमी जोड़े के शव बाहर निकलवाए और पोस्टमार्टम के लिए शहेरा के अस्पताल में भेज आगे की कार्यवाही शुरू की है!

# भारतीय डाक विभाग के विशेष चैरिटी कवर का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

## 'कोविड–19 के साथ जीवन जीने की कला' थीम पर तैयार किया गया है कवर

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने गुजरात डाक विभाग की ओर से कोविड–19 के दौरान जीवन शैली में आए बदलाव को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए 'कोविड–19 के साथ जीवन जीने की कला' नामक थीम पर तैयार किए गए विशेष चैरिटी कवर का शनिवार को गांधीनगर में विमोचन किया। 'कोविड–19 के साथ जीवन जीने की कला' की थीम पर तैयार इस प्रत्येक विशेष चैरिटी कवर का मूल्य 100 रुपए है। डाक विभाग इसकी बिक्री से प्राप्त होने वाली रकम का 75 फीसदी हिस्सा कोरोना के खिलाफ लड़ाई के फंड के रूप में मुख्यमंत्री राहत कोष में प्रदान करेगा। गुजरात डाक विभाग द्वारा ऐसे कुल 25 हजार विशेष कवर तैयार किए गए हैं जिसे आज मुख्यमंत्री ने जारी किया। गुजरात डाक विभाग ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री राहत कोष में कोरोना के खिलाफ फंड के लिए 18 लाख रुपए का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री ने कोरोना के खिलाफ लंबी लड़ाई के फंड के रूप में दान देने के इस दृष्टिकोण के लिए डाक विभाग की सराहना की। यह विशेष चैरिटी कवर देश का सर्वप्रथम क्यूआर कोड वाला कवर है जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निर्मित कोविड–19 संबंधित सतर्कता के वीडियो के साथ क्यूआर कोड से जुड़ा हुआ है। इस विशेष कवर की खरीदी प्रधान डाकघर (जीपीओ), अहमदाबाद, राजकोट और वडोदरा के मुख्य डाकघरों तथा भारतीय डाक विभाग की वेबसाइट www-epostoffice-gov-in से ऑनलाइन भी की जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने कोविड–19 की महामारी के दौरान डाक विभाग की ओर से किए गए जनसेवा के कार्यों की प्रशंसा भी की। विशेष चैरिटी कवर के विमोचन के अवसर पर गुजरात डाक विभाग के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल अशोक कुमार पोद्दार, गुजरात के पोस्टल सर्विस निदेशक सुनील शर्मा तथा अहमदाबाद रिजन हेड एस.एन. दवे उपस्थित थे।

Get Instant Car Insurance

Call 9879141480

Car insurance is a concept through which you can safeguard your money in case of damage to your car.

Get Instant Health Insurance

Call 9879141480

Financial coverage for medical expenses, in case of a medical emergency.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)